CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-351
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 22 मार्च 2024

आज का विचार

सही करने की हिम्मत उसी में आती है जो गलती करने से नहीं डरते है।

विश्व जल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आईपीएल की शुरुआत आज से, चेन्नई ने धोनी की जगह ऋतुराज कप्तान बनाया

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 यानी आईपीएल के 17वें सीजन की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है। इससे पहले गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने टीम की कप्तानी में बड़ा बदलाव किया है। महेंद्र सिंह धोनी की जगह ऋतुराज गायकवाड़ को टीम का नया कप्तान बनाया गया है। उन्हें आईपीएल के आगाज से ठीक पहले यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसकी जानकारी आईपीएल ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये दी। सीएसके अपना पहला मुकाबला आरसीबी के खिलाफ शुक्रवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। धोनी के नेतृत्व में टीम ने पिछले सीजन में गुजरात जाएंट्स को फाइनल मैच में करारी शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा जमाया था। आईपीएल के आगामी सीजन के लिए हुए कप्तानों के फोटोशूट में धोनी नहीं पहुंचे थे। उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड़ को देखा गया था, तब से ही सीएसके की कप्तानी में बदलाव के कयास लगाए जा रहे थे। गुरुवार को आईपीएल ने अपने आधिकारिक पोस्ट में इस बात की पुष्टि कर दी कि चेन्नई सुपर किंग्स का नेतृत्व धोनी की जगह ऋतुराज गायकवाड़ करेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स ने टीम की कप्तानी में हुए बदलाव की पुष्टि करते हुए बताया कि धोनी की जगह युवा सलामी बल्लेबाज ऋतुराज को टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 27 वर्षीय खिलाड़ी 2019 में टीम के साथ जुड़े थे। उन्होंने अब तक खेले 52 मैचों में 1797 रन बनाए हैं। इस टूर्नामेंट में उनके नाम एक शतक और 14 अर्धशतक दर्ज हैं। पिछले सीजन में पुणे के इस बल्लेबाज ने सीएसके के लिए 16 मैचों में 590 रन बनाए। चेन्नई को खिताब दिलाने में युवा खिलाड़ी ने अहम योगदान रहा था।

चुनावी बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारी एसबीआई ने आयोग को सौंपी

नई दिल्ली। चुनावी बॉन्ड से जुड़ी सभी जानकारी भारतीय स्टेट बैंक ने चुनाव आयोग को सौंप दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को फटकार लगाते हुए जानकारी देने को कहा था। इसके बाद एसबीआई ने सीरियल नंबर के साथ चुनावी बॉन्ड के सभी विवरण को चुनाव आयोग को सौंपा है, जो दानकर्ताओं और बॉन्ड को भुनाने वाली पार्टियों के साथ मिलान करने में मदद करेगा। उम्मीद है कि जल्द चुनाव आयोग अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी सार्वजनिक करेगा। भारतीय स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा भी दाखिल किया है। अदालत में दिए गए हलफनामे में बताया कि उसने चुनावी बॉन्ड के मूल्य और विशिष्ट संख्या दर्शाने वाली जानकारी का खुलासा किया है। हालांकि सुरक्षा कारणों के चलते दानकर्ताओं के केवाईसी विवरण को सार्वजनिक नहीं किया गया है। साथ ही, कहा कि संपूर्ण बैंक एसी नंबर, राजनीतिक पार्टियों के केवाईसी विवरण साइबर सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक नहीं किए गए है। भारतीय स्टेट बैंक ने 2018 में योजना की शुरुआत के बाद से 30 किस्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड जारी किए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से खरीदे गए चुनावी बॉन्ड की जानकारी निर्वाचन आयोग को सौंपने का निर्देश दिया था। एसबीआई चुनावी बॉन्ड जारी करने के लिए अधिकृत वित्तीय संस्थान है।

ताकत झोंकने की बारी: साल 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार संसाधनों का ज्यादा इस्तेमाल

चुनाव प्रचार के लिए 40 फीसदी बढ़ी हेली कॉप्टरों की मांग, बुकिंग में कांग्रेस पीछे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से एक माह पहले कांग्रेस पार्टी ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगा दिया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा, चुनावी संसाधनों पर अपना एकाधिकार करने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, अगर हमारे नेता को चुनाव में किसी एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना है तो वह कैसे जाएगा। जब सरकार हमारी पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर रही है तो हेलीकॉप्टर की बुकिंग कैसे होगी, ट्रेन का टिकट कैसे मिलेगा। दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टरों की जबरदस्त बुकिंग हो रही है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले इस बार चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टरों की बुकिंग में लगभग 40 फीसदी का उछाल देखा जा रहा है।

कांग्रेस को खाते फ्रीज होने से दिक्कत- जानकारों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी के पास बुकिंग के लिए पैसा नहीं है, लेकिन दूसरे दलों के स्टार प्रचारकों के लिए चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर, बड़ी संख्या में बुक कराए जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पिछले लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी कई माह पहले ही चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टरों की बुकिंग को लेकर कोटेशन मांगी गई थी। हालांकि उस वक्त स्टार प्रचारकों का नाम फाइनल नहीं होता, मगर एक अंदाज से वह आंकड़ा तैयार किया जाता है कि चुनाव प्रचार के लिए कितने विमान और हेलीकॉप्टरों की जरुरत पड़ेगी। अब पहले चरण के मतदान में केवल एक महीना बचा है। यही वो समय होता है, जब विमान कंपनियों को एडवांस देना पड़ता है। अब एकाएक कांग्रेस पार्टी के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। इस वजह से बुकिंग प्रक्रिया अधर में लटक गई है। लिहाजा दूसरे दल भी बुकिंग करा रहे हैं, ऐसे में संभव है कि बाद में कांग्रेस पार्टी को लंबी दूरी की मूवमेंट के लिए संसाधन मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़े।

चार्टर्ड विमान महंगा तो हेलीकॉप्टर सस्ता- अगर चार्टर्ड विमान की बात करें तो अधिकांश कंपनियों ने एक घंटे की फ्लाइट के लिए चार से पांच लाख रुपये का रेट तय किया है। अगर हेलीकॉप्टर की बुकिंग होती है तो उसके लिए डेढ़ लाख रुपए प्रतिघंटे के हिसाब से किराया देना पड़ता है। भारतीय निर्वाचन आयोग को दी गई जानकारी के अनुसार, 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एयर बुकिंग पर लगभग ढाई सौ करोड़ रुपये खर्च किए थे। विमान कंपनी से जुड़े एक अधिकारी का कहना है, चुनाव में तो सभी पार्टियां चार्टर्ड विमान या हेलीकॉप्टर बुक कराती हैं। पांच साल पहले जो रेट थे, वे आज नहीं हैं। फ्यूल और मेनटेनेंस काफी बढ़ गई है। ऐसे में संभव है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में विमान या हेलीकॉप्टर के बुकिंग रेटों में भी इजाफा हो जाए। इसमें यह देखा जाता है कि किस दल ने कब बुकिंग कराई है। अगर दो चार दिन के भीतर विमान या हेलीकॉप्टर चाहिए तो उसके लिए रेट, कई गुणा बढ़ जाते हैं। प्री बुकिंग में रेट सामान्य ही रहते हैं।

हेलीकॉप्टरों की है भारी मांग - जानकारों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए विमान और हेलीकॉप्टरों की भारी मांग सामने आ रही है। हालांकि हेलीकॉप्टर ने बुकिंग के मामले में चार्टर्ड विमान को पीछे छोड़ दिया है। इसके पीछे यह कारण है कि हेलीकॉप्टर को उतारने में ज्यादा दिक्कतें नहीं आती हैं और इसका किराया भी अधिक नहीं होता। विमान उतरने के लिए हवाई पट्टी की आवश्यकता होती है। साथ ही इसका रेट भी ज्यादा रहता है। देश में सौ से अधिक गैर-अनुसूचित ऑपरेटर भी हैं। ये वे ऑपरेटर होते हैं, जिनके पास प्री बुकिंग नहीं होती। उड़ान के लिए जब कभी इनके पास कोई ग्राहक आता है, ये अपनी सेवा देने के लिए तुरंत तैयार हो जाते हैं। हालांकि इनके रेट कुछ ज्यादा होते हैं।

धार भोजशाला सर्वे आज से, ASI की 20 सदस्यीय टीम पहुंची; जुमे की नमाज को लेकर यह बोला प्रशासन

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले की भोजशाला का सर्वे आज से शुरू हो गया है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की टीम भोजशाला का सर्वे करेगी। इसका सर्वेक्षण करने के लिए एएसआई की 20 सदस्यीय टीम सुबह 6:30 बजे भोजशाला पहुंच गई। हाईकोर्ट के निर्देश पर भोजशाला का सच जानने के लिए सर्वे के लिए परिसर में आज से खोदाई शुरू होगी। बता दें कि भोजशाला को लेकर इंदौर में लगी एक याचिका पर सुनवाई के बाद इसी महीने में सर्वे के आदेश दिए थे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम सर्वेक्षण के लिए भोजशाला के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एएसआई की टीम के साथ एएसपी, एडीएम, एसडीएम और सीएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। इसके अलावा 175 से अधिक पुलिस जवान भोजशाला परिसर के आसपास किए गए तैनात गए हैं। हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से याचिकाकर्ता गोपाल शर्मा और आशीष गोयल भी टीम के साथ भोजशला पहुंचे हैं। मुस्लिम पक्ष की ओर से यहां कोई मौजूद नहीं है।

नहीं रोकी जाएगी नमाज रमजान महीने का आज दूसरा शुक्रवार है और सर्वे भी शुरू हो रहा है। ऐसे में विशेष एहतियात भी बरती जा रही है। सर्वे का असर जुमे की नमाज पर नहीं होगा। नमाज पढ़ने आने वाले लोगों को भोजशाला में प्रवेश दिया जाएगा। धार एसपी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हाई कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। नमाज प्रभावित नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट थोड़ी देर में सुनेगा केजरीवाल की याचिका, दोपहर ढाई बजे PMLA कोर्ट में भी पेशी

शराब नीति केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च की रात CM आवास से ED ने गिरफ्तार कर लिया। ED की टीम उन्हें 10वां समन देने आई थी। गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल को ED अपने दफ्तर ले गई। RML अस्पताल से पहुंची डॉक्टरों की टीम ने उनका मेडिकल किया। ED की टीम ने केजरीवाल से दोबारा पूछताछ शुरू कर दी है। ED उनसे गवाहों के बयान के आधार पर सवाल कर रही है। इसके लिए लिस्ट बनाई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इधर, राहुल गांधी CM केजरीवाल के घर उनके परिवार से मिलने जा सकते हैं। केजरीवाल की रात ED की लॉकअप में कटी। केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध मे AAP कार्यकर्ताओं ने ITO में प्रदर्शन किया। दिल्ली सरकार के दो मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। केजरीवाल को आज दोपहर ढाई बजे PMLA कोर्ट में पेश किया जाएगा। ED केजरीवाल की रिमांड की कोशिश करेगी। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली के CM बने रहेंगे। जेल से सरकार चलाएंगे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ सुनवाई होगी। जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस एमएम सुंदरेश की बेंच इस पर सुनवाई करेगी। इसी मामले में पहले से ED की गिरफ्त में मौजूद BRS नेता के. कविता की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से मना कर दिया।

न्यू ज्वॉइनिंग टोली ने किया खेला: मप्र में कांग्रेस के 1500 नेता-कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल

सीएम यादव बोले- ऐसा लग रहा, सामने वाले के पास कुछ बचेगा ही नहीं

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेताओं को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा हर दिन विपक्षी पार्टी को झटका दे रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस के रीवा, सतना, सांवेर, शहडोल, अनुपपूर और जबलपुर के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियां व कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने अंगवस्त्र पहनाकर सभी नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर चुनाव प्रदेश प्रभारी, न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा, मंत्री तुलसी सिलावट, सतना सांसद गणेश सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि सामने वाले के पास कुछ बचेगा ही नहीं। भाजपा में साधारण कार्यकर्ता को मंत्री और मुख्यमंत्री पद पर पहुंचाया जाता है। आप भाजपा के परिवार में आए हो। आपके पास ऐसा मौका कभी भी आ सकता है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सम्मान में तालियां बजवाई। उन्होंने कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने वाले नेता/कार्यकर्ताओं से कहा कि आपको अधिकार दिया जाता है कि आप भी अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को जोड़ सकते हो। उनको वही सम्मान दिया जाएगा, जो यहां पर आपको दिया गया है। **भाजपा की रणनीति में सभी का विकास होगा**- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा क कांग्रेस से भाजपा में आए सभी कार्यकर्ताओं को बधाई। उन्होंने कहा कि भाजपा की रणनीति में सभी का विकास होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 29 सीटे जीतकर मोदी जी का 400 पार का नारा पूरा होगा। न्यू ज्वॉइनिंग टोली के प्रदेश संयोजक डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि अपने ही देश में राहुल गांधी जी भगदड़ का मजा लीजिए। कुछ दिन तो गुजारिए मध्यप्रदेश में। उन्होंने कहा कि अब तक 14758 बड़े नेताओं ने ज्वॉइनिंग की है। गुरुवार को करीब 1500 नेता, कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ली। जो केंद्रीय मंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, महापौर सहित अन्य पदों पर रहे हैं। अब तक करीब 16000 नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। मिश्रा ने कहा कि होली के बाद बूथ स्तर पर ज्वाइनिंग अभियान चलाएंगे। इसे गिनीज बुक रिकॉर्ड में शामिल कराएंगे। चुनाव चुनौतियों से हैं या पनौतियों से ? नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश वो प्रदेश है, जहां सबसे अधिक कांग्रेसियों ने कांग्रेस पार्टी छोड़ी है। हम यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि चुनाव चुनौतियों से हैं या पनौतियों से हैं। पूर्व सांसद और पूर्व विधायक समेत ये नेता भाजपा में शामिल सतना से कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री और जिला पंचायत सदस्य देवदत्त सोनी, रीवा से कांग्रेस के पूर्व सांसद देवराज सिंह, नागौद से पूर्व कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह, सिरमौर के पूर्व महापौर रेणु शाह, मनगवां से कांग्रेस की पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बबीता साकेत, सतना से पूर्व नगर निगम अध्यक्ष सुधीर सिंह तोमर, सतना की पूर्व महापौर एवं नगर निगम अध्यक्ष पुष्कर सिंह, धर्मेंद्र सिंह देउरा, सतना के जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, सिरमौर से बीएसपी विधानसभा प्रत्याशी बी. डी पाण्डेय, चित्रकुट से बीएसपी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रावेन्द्र सिंह पटवारी, अनूपपुर से बीएसपी के पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित साहू, जबलपुर के पाटन से पूर्व बीएसपी विधानसभा प्रत्याशी राममनोहर तिवारी, सेवा निवृत्त आईजी राजेश पटारिया, दमोह से मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री हाकमसिंह लोधी, दमोह से मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव विनय दुबे, सांवेर के इंदौर जिले के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बलराम पटेल, जनपद सदस्य संतोष चौधरी, पूर्व कांग्रेस प्रदेश महासचिव विकास यादव विक्की, कांग्रेस आईटी सेल मीडिया प्रभारी पीयुष दुबे, टीआई सागर सक्सेना, सेवा निवृत्त संचालक सुरक्षा विधानसभा अरविंद कुमार रघुवंशी, शहडोल जनपद सदस्य सुरेखा सक्सेना, कांग्रेस मोर्चा की जिला महामंत्री रेणुका शुक्ला, भिंड जिले के कांग्रेस जिला महामंत्री आशीर्वाद शर्मा सहित सतना, रीवा, सांवेर, शहडोल, अनुपपूर एवं जबलपुर के 1500 से अधिक कांग्रेस पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सिंगल कॉलम

माता-पिता के ठहरने पर भी देना पड़ता है पहचान पत्र

इंदौर। छात्रा के अपहरण की गुत्थी सुलझने के बाद कई तथ्य सामने आए हैं। जहां हास्टल के एक ही कमरे में छात्रा और ब्वायफ्रेंड ठहरा था। पुलिस जांच में दोनों की लोकेशन अलग-अलग हास्टल में मिली है। नियमानुसार हास्टल में विद्यार्थी के माता-पिता व स्वजन को ठहरने के लिए भी पहचान पत्र दिखाना होता है। वैसे ब्वायज हास्टल में लड़की और गर्ल्स हास्टल में लड़कों को रुकने की अनुमति नहीं रहती है। प्रशासन ने हास्टल चलाने के लिए नियम बना रखे हैं। हास्टल संचालक थोड़े से मुनाफे के चलते धज्जियां उड़ते रहते हैं। वहीं जिम्मेदार अफसर हास्टलों का दौरा नहीं करते हैं। इस कारण संचालकों की लापरवाही बढ़ने लगी है। थोड़े से मुनाफे में हास्टल संचालक नियमों की उड़ा रहे धज्जियां इंदौर में सात हजार से ज्यादा गर्ल्स व ब्वायज हास्टल हैं। नियमानुसार गर्ल्स हास्टल में लड़कों को और ब्वायज हास्टल में लड़कियों को ठहरने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि माता-पिता को ठहराने के लिए भी पहचान पत्र देना होता है। यह व्यवस्था सिर्फ लड़कियों के छात्रावास में रहती है। वैसे भी लड़कों के रूम में किसी भी लड़की का प्रवेश नहीं रहता है। यहां हास्टल संचालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। हर साल शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले हास्टल को लेकर गाइडलाइन बनाई जाती है। प्रशासनिक अधिकारी इसके लिए हास्टल एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा भी करते हैं, मगर दिशा-निर्देश सिर्फ बैठक तक सिमट कर रह जाते हैं। वैसे हास्टल की गतिविधियों को लेकर बीते कुछ सालों से रहवासी भी विरोध करते हैं। इसके लिए बार-बार नियम भी बदलते हैं, मगर इनका पालन करता एक भी हास्टल नजर नहीं आता है। छात्रा काव्या धाकड़ के अपहरण के दौरान भी यह लापरवाही सामने आई है। जहां बिना पहचान पत्र जमा करवाए काव्या और उसके ब्वायफ्रेंड को ठहराया गया, जो बिलकुल गलत था, क्योंकि लड़कों के हास्टल में लड़की नहीं रुक सकती है। फर्जी अपहरण कांड में छात्र-छात्रा को होटल और लाज में तलाश रही पुलिस अपहरण की साजिश कर रुपये मांगने वाली छात्रा का तीसरे दिन भी पता नहीं चला। राजस्थान पुलिस भंवरकुआं क्षेत्र के हास्टल और बाहरी क्षेत्र के होटल, ढाबों पर छानबीन कर रही है। पुलिस मदद करने वाले छात्र ब्रजेंद्र से भी पूछताछ कर रही है। बैराड़ (शिवपुरी) निवासी 20 वर्षीय नीट की तैयारी करने वाली छात्रा काव्या धाकड़ ने नीट की तैयारी कर रहे छात्र हर्षित के साथ मिलकर अपहरण की साजिश की थी। उसने हाथ पैर बांधकर फोटो खिंचवाए। काव्या के पिता रघुवीर धाकड़ को भेज कर 30 लाख रुपये मांगे। विज्ञान नगर (कोटा) पुलिस और अपराध शाखा ने जांच की तो पता चला फोटोग्राफी भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित सिमरन हास्टल (पीजी) में हुई थी। नीट की तैयारी करने वाला छात्र ब्रजेंद्र प्रताप अहिरवार (सागर) उनकी मदद कर रहा था।

साल 1962 में मजदूरों के नेता होमी दाजी को लोकसभा में दिया था नेतृत्व

इंदौर। इंदौर लोकसभा सीट ने शुरू से बड़े जुझारू नेता दिए हैं। शहर हमेशा संघर्षशीलता के साथ काम करता रहा है। 1962 में तीसरी लोकसभा के चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी की लहर हुआ करती थी, उस दौर में भी इंदौरवासियों ने संघर्ष व जुझारूपन के साथ मजदूरों का साथ देने वाले नेता के रूप में होमी दाजी को नेतृत्व का अधिकारी सौंप दिया था। नागरिक समिति मोर्चा की सहायता और शेर चुनाव चिन्ह पर वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इंदौर लोकसभा सीट से जीते थे। उनकी इस जीत ने इंदौर को देश में चर्चा का केंद्र बना दिया था। उस समय दाजी ने कांग्रेस के राम सिंह भाई को हराया था। लोकसभा चुनाव में जीतने के बाद 1963-64 में देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने होमी दाजी को कोलंबो के आयोजित शांति सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधि बनाकर भेजा था। मजदूर नेता के रूप में रही पहचान जिस दौर में इंदौर में काफी टेक्सटाइल मिलें हुआ करती थीं और शहर के मजदूरों का वोट बैंक अहम माना जाता था, उस दौर में होमी दाजी ने इंदौर में मजदूरों के लोकप्रिय नेता के रूप में उभरे। होमी दाजी के पिता मिल में काटन सिलेक्टर हुआ करते थे। इनका जन्म इंदौर में हुआ था और वे परिवार के साथ स्नेहलतागंज में रहते थे। इस वजह से दाजी की शिक्षा-दीक्षा भी इंदौर में हुई। वे एलएलबी में गोल्ड मेडलिस्ट भी थे। उस दौरान अक्सर वह मजदूरों के लिए आंदोलन करते थे और सार्वजनिक मंच पर उनके अधिकारों की बातों को उठाते थे। यही वजह है कि होमी दाजी को इंदौर में शुरू से ही मजदूरों का नेता कहा जाता था। डा. शर्मा के सामने भी लड़ा था चुनाव होमी दाजी की मजदूरों व जनता के बीच लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इंदौर के अलावा 1980 में भोपाल से भी लोकसभा चुनाव लड़ा। उस समय दाजी ने कम्युनिस्ट पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ा और उनका मुकाबला उस समय डा. शंकर दयाल शर्मा थे। गौरतलब है कि शर्मा देश के पूर्व राष्ट्रपति भी रहे।

संपत्ति प्राप्त करने के बाद संतान या रिश्तेदार नहीं कर रहे देखभाल तो आप वापस ले सकते हैं अपनी संपत्ति

इंदौर । देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 14 करोड़ से ज्यादा है। कानूनन जिन व्यक्ति की आयु 60 वर्ष पूर्ण हो जाती है उन्हें वरिष्ठ नागरिक माना जाता है। वर्ष 2007 से पहले तक केवल सीआरपीसी की धारा 125 में प्रविधान था कि अगर माता-पिता का भरण पोषण उसकी संतान नहीं करती है तो ऐसे माता-पिता न्यायालय में भरण पोषण का प्रकरण प्रस्तुत कर भरण पोषण प्राप्त कर सकते थे। एडवोकेट वरुण रावल ने बताया कि कई बार वरिष्ठ नागरिकों की शिकायत रहती है कि उनके पुत्र-पुत्रियों द्वारा उनकी संपतियां अपने नाम करवाने के बाद माता-पिता की देखभाल नहीं कर रहे हैं। इस पर विधायिका द्वारा वर्ष 2007 में वरिष्ठ नागरिक अधिनियम बनाया गया। इसमें प्रविधान किया गया है कि अगर माता-पिता की संपति उपहार स्वरूप या किसी अन्य माध्यम से उनके पुत्र, पुत्रियां या अन्य रिश्तेदार अपने नाम करवा लेते हैं और इसके बाद वे वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और देखभाल नहीं करते हैं तो वरिष्ठ नागरिकों को वैधानिक अधिकार दिया गया कि वे अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के न्यायालय में आवेदन देकर उनके उत्तराधिकारी या अन्य रिश्तेदारों द्वारा अपने नाम करवाई गई संपति को फिर से प्राप्त कर सकते हैं।

आक्सीजन का ओपन प्लांट बना आइआइएम इंदौर, प्रदूषण का स्तर घटाया

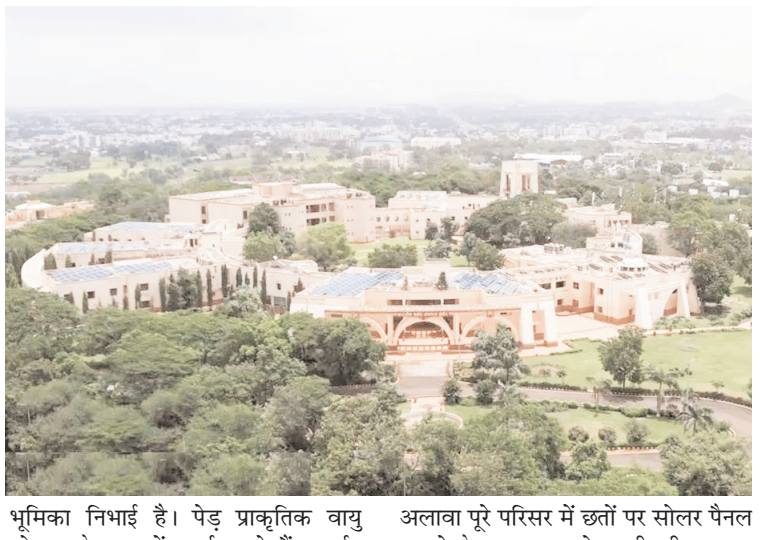

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर । सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दिल्ली का नाम एक बार फिर सबसे ऊपर आया है। वहां की हवा को स्लो पाइजन अर्थात धीमा जहर बताया जा रहा है। ऐसा ही हाल जल्द ही उन शहरों का भी हो सकता है, जहां बढ़ते प्रदूषण पर रोक नहीं लगाई गई। किंतु प्रदूषण की इन नकारात्मक सूचनाओं से इतर इंदौर स्थित आइआइएम ने एक सुखद सूचना दी है। दरअसल, देश के शीर्ष संस्थानों में शामिल भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने अपने परिसर में ही हवा को दुरुस्त करने के तरीके पर शानदार काम किया है। परिसर में हरियाली के लिए प्रतिवर्ष 2500 पेड़ लगाए जाते हैं, साथ ही वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम भी लागू किया गया है। यहां वर्षा के पानी को जमीन में उतारने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग को भी विधिवत अपनाया गया है। ऐसे कई प्रयासों के चलते अब आइआइएम इंदौर का एक्यूआइ (एयर क्वालिटी इंडेक्स) घटकर महज 34 पर आ गया है, जबकि इसके उलट इंदौर शहर का औसत एक्यूआइ 93 अर्थात आइआइएम परिसर से करीब तीन गुना अधिक है। आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने बताया कि परिसर में प्रदूषण को कम करने तथा पेट्रोल व डीजल पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए संस्थान ने ई-वाहनों को अपनाया है। संस्थान में सभी पैदल चलने को प्राथमिकता देते हैं, जिससे न सिर्फ स्वास्थ्य अच्छा रहता है बल्कि वाहनों से उत्पन्न प्रदूषण पर भी नियंत्रण रहता है। इससे पारंपरिक ईंधन पर हमारी निर्भरता भी कम हो गई है। इसका लाभ स्वच्छ हवा में योगदान के रूप मिला है। संस्थान में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध है। इस प्रकार प्लास्टिक के डिस्पोजल के समय इन सामग्रियों से उत्पन्न होने वाले हानिकारक प्रदूषकों पर भी नियंत्रण रहता है। हर वर्ष होने वाले पौधारोपण अभियान ने भी परिसर में एक्यूआइ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पेड़ प्राकृतिक वायु शोधक के रूप में कार्य करते हैं, कार्बन डाइआक्साइड जैसे प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं और आक्सीजन छोड़ते हैं।

इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए परिसर में प्रतिवर्ष 2.5 हजार पेड़ लगाए जाते हैं। इस पहल में संस्थान में आने वाले मेहमान भी शामिल होते हैं। हम मौसम के अनुरूप पेड़ लगाते हैं, जिससे संस्थान में पूरे साल हरियाली को बढ़ावा मिलता है। इसके परिणामस्वरूप परिसर में स्वच्छ और ताजा हवा बनी रहती है। परिसर से बाहर भी चलाते हैं अभियान डा. राय कहते हैं, सभी समुदाय सदस्यों की सहभागिता और जागरूकता हमारी वायु गुणवत्ता सुधार यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हम अर्थात आइआइएम पर्यावरणीय जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने और व्यापक स्तर पर वायु प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए संस्थान के बाहरी क्षेत्र में भी सफाई अभियान चलाते हैं और वृक्षारोपण करते हैं। इन प्रयासों से हुई हवा दुरुस्त आइआइएम इंदौर के प्रयास सिर्फ पौधारोपण तक सीमित नहीं है। यहां प्रभावी वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम भी लागू किया गया है, साथ ही रेनवाटर हार्वेस्टिंग तकनीक को भी अपनाया गया है। इनके अलावा पूरे परिसर में छतों पर सोलर पैनल लगाने के साथ एक सोलर ट्री की स्थापना भी की गई है। आर्गेनिक गार्डन में पेड़ों से उत्पन्न अपशिष्ट को खाद के रूप में उपयोग करके नेट-जीरो परिसर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। संस्थान में एक वुड-चिपर मशीन भी है, जिससे सूखे पेड़ों की लकड़ी को छह माह की अवधि में खाद में परिवर्तित किया जा सकता है। जबकि प्राकृतिक रूप से इस प्रक्रिया में दो वर्षों से अधिक समय लगता है। कंक्रीट वाला नहीं, पेड़-पौधों वाला जंगल तैयार करें आइआइएम में पिछले पांच वर्षों में संस्थान की खाली पड़ी भूमि को हरे-भरे बगीचों में बदल दिया गया है। इन्हें पहले पार्किंग में तब्दील किया जाना था। इससे न सिर्फ कंक्रीट जंगल के निर्माण पर रोक लगाई गई, बल्कि वायु प्रदूषण से निपटने के साथ-साथ परिसर की सुंदरता भी बढ़ गई है। स्वस्थ पर्यावरण के लिए हरियाली सबसे बेहतर जरिया है। यह शरीर के साथ मन को भी दुरुस्त रखती है। चारों ओर हरियाली देखकर सुकून महसूस होता है। शहर को भी आइआइएम इंदौर के इन प्रयासों को अपनाना होगा, तभी जाकर एक स्वस्थ और पर्यावरण दुरुस्त शहर की कल्पना की जा सकेगी।

इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 51 प्रतिशत मतदाताओं की उम्र 40 साल से कम, होंगे निर्णायक

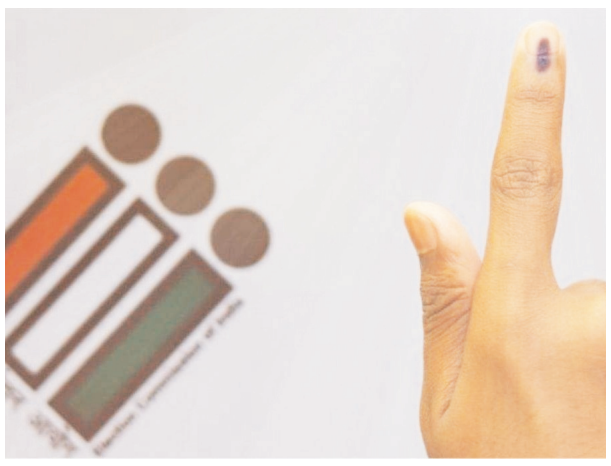

सिटी चीफ इंदौर।

लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही चुनावी तैयारी शुरू हो चुकी है। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 51 प्रतिशत मतदाताओं की उम्र 40 साल से नीचे है। इसमें पहली बार मतदान करने वाले 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या 61920 है, जबकि 20 से 39 साल की उम्र के मतदाताओं की संख्या 11.96 लाख है। इस बार चुनाव में ये मतदाता निर्णायक हो सकते हैं। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में जिले की आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल है। इनमें 25 लाख 13 हजार 191 मतदाता हैं। इसमें 12 लाख 68 हजार 93 पुरुष और 12 लाख 45 हजार एक महिला एवं 97 थर्ड जेंडर मतदाता है। जिले की विधानसभा क्षेत्र महू धार लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 12.59 लाख मतदाताओं की उम्र 40 साल से कम है। इसमें 18-19 वर्ष आयु वर्ग में 61920, 20-29 वर्ष आयु वर्ग में 5.26 लाख और 30-39 वर्ष आयु वर्ग में 6.71 लाख मतदाता है। वहीं शेष 12.53 लाख मतदाता 40 से 110 वर्ष आयु वर्ग में शामिल हैं। 165 मतदाताओं की उम्र सौ साल से अधिक इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 100 से 110 साल अधिक की उम्र के मतदाता भी है। 163 मतदाताओं की उम्र 100-109 साल के बीच है। तीन मतदाताओं की उम्र 110 वर्ष से अधिक है। चुनाव आयोग ने इस बर्ष 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को डाक मतपत्र से मतदान का अवसर किया है। वहीं विधानसभा चुनाव में 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को यह अधिकार प्राप्त था। धार लोकसभा क्षेत्र के लिए करेंगे मतदान इंदौर जिले की महू विधानसभा क्षेत्र के 2 लाख 82 हजार 560 मतदाता धार लोकसभा क्षेत्र में मतदान करेंगे। यहां 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 8851 मतदाता हैं। 20 से 40 साल की उम्र के मतदाताओं की संख्या एक लाख 44 हजार 647 है। महू विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 43 हजार 73 पुरुष, एक लाख 39 हजार 482 महिला तथा 5 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि की बढ़ी गाइडलाइन दरें एक अप्रैल से होगी लागू

सिटी चीफ इंदौर।

जिले में अचल संपत्तियों की शासकीय गाइडलाइन को केंद्रीय मूल्यांकन समिति की मंजूरी के बाद पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। एक अप्रैल से नई दरें प्रभावी हो जाएंगी। जिले के 2400 क्षेत्रों में संपत्तियों की दरों में पांच से 118 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि की दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी उन क्षेत्रों में हुई है, जहां पर गाइडलाइन से दोगुनी दरों पर रजिस्ट्रियां हो रही थीं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लागू होने वाली अचल संपत्तियों की शासकीय गाइडलाइन एक अप्रैल से प्रभावी होगी। जिले की कुल 5100 लोकेशन में से 2400 लोकेशन पर बढ़ोतरी होगी। उज्जैन रोड, बायपास, सुपर कारिडोर और निपानिया क्षेत्र में आने वाली कालोनियों के अलावा कृषि भूमि की गाइडलाइन दरों में भी बढ़ोतरी हुई है। वरिष्ठ पंजीयक दीपक शर्मा का कहना है कि केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड से अचल संपत्तियों के मूल्यांकन की नई गाइडलाइन 2024-25 एक अप्रैल से लागू करने के निर्देश मिले है। इसकी तैयारी विभाग ने पूरी कर ली है। तीन साल के डाटा से तैयार हुआ प्रस्ताव अधिकारियों का कहना है कि गाइडलाइन का प्रस्ताव गत तीन साल के खरीदी-बिक्री के डाटा का आकलन कर तैयार किया गया है। जिले के कई क्षेत्रों में गाइडलाइन से अधिक दरों पर दस्तावेज पंजीकृत हुए हैं। इन क्षेत्रों में गाइडलाइन की बढ़ोतरी की गई है। वहीं 154 नई कालोनियों को भी इस बार गाइडलाइन में शामिल किया गया।

टेसू से बने हर्बल कलर की बिक्री शुरू, वन विभाग ने लगाया स्टाल

सिटी चीफ इंदौर।

जंगल से टेसू के फूलों को इकट्ठा कर बनाए हर्बल कलर की वन विभाग ने बिक्री शुरू कर दी। नवरतनबाग स्थित वनमंडल कार्यालय परिसर में स्टाल लगाया गया। जहां इन दिनों गुलाबी और पीले हर्बल कलर लोगों के लिए उपलब्ध करवाए जा रहे है। दिनभर में 100 से ज्यादा पैकेट बिक चुके हैं। अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार से तीन और रंगों में कलर लोगों को दिए जाएंगे। करीब 200 किलो फूलों से रंग तैयार किया गया है। 2018 से वन विभाग हर्बल कलर बनाने में लगा है। इंदौर, चोरल, महू और मानपुर के जंगलों से टेसू के फूलों को इकट्ठा किया गया है। इन्हें सुखाने और पीसने की व्यवस्था चोरल रेंज में की गई है। यह सारा काम वन समिति के माध्यम से करवाया जा रहा है। हर्बल कलर की बिक्री से होने वाली कमाई वन समिति के खातों में जमा की जाएगी। यह काम लघु वनोपज समिति की महिला समूह द्वारा किया जा रहा है। राशि गांव की महिलाओं को देंगे। बुधवार शाम को हर्बल कलर इंदौर वनमंडल कार्यालय में पहुंचे है। गुरुवार से समिति के माध्यम से स्टाल लगाया जा रहा है। डीएफओ महेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि हर्बल कलर की बिक्री शुरू कर दी। सोमवार तक शहरवासियों के लिए हर्बल गुलाल उपलब्ध रहेंगे। इनकी कीमत समिति ने तय की है, जो 40 रुपये प्रति पैकेट रखी गई है। वे बताते है कि पांच रंग में हर्बल कलर तैयार किए गए हैं।

राजवाड़ा में दिखेगी पुराने इंदौर की तस्वीरें, दलालबाग में मनेगा गजरथ महोत्सव

इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 22 मार्च को होंगे। इसमें पंचकल्याणक महोत्सव के तहत भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इसके अलावा शहर में भागवत कथा के आयोजन होंगे। वामा साहित्य मंच का रंगोत्सव और नवोदित कलाकारों का गीत-गजलों का कार्यक्रम भी होगा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा छत्रपति नगर स्थित दलालबाग में 19 से 25 मार्च तक मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक एवं जिनबिम्ब प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव मुनि विमल सागर एवं अनन्त सागर महाराज के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य विनय भैय्या, अनिल भैय्या, अमित जैन (वास्तुविद) के निर्देशन में हो रहा है। इसमें सुबह 9 बजे से इंद्र दरबार भी सजाया जाएगा। इस अवसर पर संतों के सान्निध्य में चल समारोह निकाला जाएगा। प्रभु का अवतरण (जन्म), बधाई गीत, शांति हवन, श्रीजी का पूजन एवं संतों के प्रवचनों सहित विभिन्न आयोजन होंगे।

इंदौर में पानी का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ निगम करेगा कार्रवाई

सिटी चीफ इंदौर।

नगर निगम सीमा में पानी का दुरुपयोग रोकने के लिए निगम अब सख्त कदम उठाने जा रहा है। सड़क पर पानी बहाने वाले, कार धोने के नाम पर बेतहाशा पानी बर्बाद करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। शहर में नलकूप पर रोक के बाद अब नगर निगम निर्माणाधीन बड़े प्रोजेक्ट के लिए उपचारित पानी के इस्तेमाल की अनिवार्यता भी लागू करने जा रहा है। महापौर परिषद सदस्य और जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि इसकी रणनीति तैयार कर ली गई है। 22 मार्च को विश्व जल दिवस है। इंदौर शहर वर्ष 1966 में भीषण जलसंकट देख चुका है। उस वक्त हालात कितने भयावह थे यह इसी से समझा जा सकता है कि नर्मदा को 70 किमी दूर से इंदौर लाने के लिए हर इंदौरी सड़क पर उतर आया था। नर्मदा के तीन चरण इंदौर में पहुंचने के बावजूद हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। दरअसल इसके पीछे जल दुरुपयोग एक बड़ी वजह है। एमआइसी सदस्य शर्मा ने बताया कि हमने जल संरक्षण को लेकर नई रणनीति तैयार कर ली है। बहुत जल्दी इसे लागू कर दिया जाएगा। बड़े प्रोजेक्ट के लिए लागू करेंगे अनिवार्यता शर्मा ने बताया कि फिलहाल निगम सिर्फ मेट्रो प्रोजेक्ट वालों को ही उपचारित पानी उपलब्ध करवा रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। शहर में सभी बड़े निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के लिए निर्माण में उपचारित पानी का उपयोग अनिवार्य किया जा रहा है। इसके अलावा निगम बड़ी टाउनशिप में एसटीपी की अनिवार्यता लागू करने जा रहा है। रिचार्ज की अनिवार्यता करेंगे शहर में वर्तमान में 500 से ज्यादा पानी सप्लायर यूनिट हैं। आरओ प्रक्रिया में करीब 20 प्रतिशत पानी का नुकसान होता है। इसे यूनिट वाले सीवेज में बहा देते हैं, लेकिन अब नगर निगम ऐसी प्लांट वालों के लिए रिचार्ज सिस्टम की अनिवार्यता लागू करेगा।

शहर में एक हजार से ज्यादा पिट बनेंगे शर्मा ने बताया कि नगर निगम बहुत जल्दी शहर में एक हजार से ज्यादा पिट बनाने जा रहा है। ये करीब 15 फीट चौड़े होंगे और जलजमाव वाले स्थानों के करीब बनाए जाएंगे। इसके माध्यम से वर्षा का जल नालियों में बहने के बजाय जमीन में उतारा जाएगा। इससे जलजमाव की समस्या तो हल होगी। साथ ही भूजल स्तर सुधारने में भी मदद मिलेगी।

मध्य प्रदेश में बढ़ते वोट शेयर ने भाजपा को पहुंचाया फायदा

पिछले चार लोकसभा चुनावों में ऐसा रहा है हाल

सिटी चीफ भोपाल।
लोकसभा चुनाव के ठीक पहले विधानसभा चुनाव से गुजरने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश भी शामिल रहा है और इसके परिणाम लोकसभा चुनाव तक अपना प्रभाव भी दिखाते हैं। विधानसभा के पिछले पांच और लोकसभा के पिछले चार चुनाव का वोट शेयर भाजपा को उत्साहित करता है तो कांग्रेस के लिए चुनौती भी है। मध्य प्रदेश में 2003 के विधानसभा चुनाव में 67.41 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा ने 173 सीटों पर जीत दर्ज कर 42.5 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त किया था, जबकि कांग्रेस 38 सीट के साथ 31.61 प्रतिशत वोट हासिल कर सकी थी। अगले साल 2004 में हुए लोकसभा चुनाव में 48.09 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 25 सीटें मिलीं और हिस्सा बढ़कर 48.13 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस ने शेष चार सीटें जीतीं और वोट प्रतिशत बढ़कर 40.14 प्रतिशत हो गया। विधानसभा चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी, लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की। भाजपा का ग्राफ बढ़ा दोनों पार्टियों के वोट शेयर में बढ़त 2008 के विधानसभा और 2009 के लोकसभा चुनाव में भी बनी रही। परिणाम में भी

दोहराव था, यानी प्रदेश में भाजपा, तो केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की सरकार। आंकड़े बताते हैं कि विधानसभा चुनाव में 69.52 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 143 सीटों के साथ 37.81 प्रतिशत और कांग्रेस को 71 सीटों के साथ 36.04 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके बाद लोकसभा चुनाव में 51.16 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 16 सीटें, 43.45 प्रतिशत वोट शेयर मिला, वहीं 12 सीटों पर विजयी कांग्रेस ने 40.14 प्रतिशत मत प्राप्त किया, लेकिन इसके बाद कांग्रेस की सीटें और मत कम ही होता गया, जबकि भाजपा का ग्राफ बढ़ रहा है। 2013 में विधानसभा चुनाव में 72.69 प्रतिशत वोट डाले गए। भाजपा ने 165 सीटों के साथ सरकार बरकरार रखी और वोट प्रतिशत को बढ़ाते हुए 44.87 प्रतिशत पहुंचा दिया। इधर कांग्रेस की सीटें घटकर 58 रह गईं, वोट शेयर भी 36.38 प्रतिशत पर पहुंच गया। इसके अगले साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 27 सीटें जीतीं और वोट शेयर 54.02 प्रतिशत हासिल किया। कांग्रेस कमल नाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया की दो ही सीटें बचा सकी और वोट शेयर 34.89 प्रतिशत रह गया। मप्र में भाजपा सरकार बच गई, जबकि केंद्र में मोदी सरकार बनी। 2019 में भाजपा ने जीती 28 सीट

2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में परिणाम बदल गए और भाजपा का वोट शेयर कम हुआ, जबकि कांग्रेस को फायदा हुआ। हालांकि, 2019 में लोकसभा में बढ़त भाजपा ने ही बरकरार रखी। विधानसभा चुनाव में कुल मतदान 75.63 प्रतिशत हुआ, जिसमें 109 सीटों के साथ भाजपा को 41.02 प्रतिशत वोट मिले, जबकि कांग्रेस 114 सीटों के साथ 40.89 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रही। अगले साल लोकसभा चुनाव 2019 में हुए तो कांग्रेस मात्र छिंदवाड़ा की सीट बचा सकी। भाजपा ने वोट प्रतिशत में बढ़त दर्ज करते हुए 58 प्रतिशत के साथ 28 सीटें जीत लीं। कांग्रेस को 34.50 प्रतिशत वोट मिले थे।

2023 में भाजपा को मिले 48.55 प्रतिशत वोट

बीते वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव में 77.15 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा ने 163 सीटों पर जीत दर्ज कर 48.55 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस को 66 सीटें और 40.40 प्रतिशत वोट मिले। कांग्रेस इन आंकड़ों में बदलाव के लिए इस बार कुछ सीटों पर अलग से फोकस कर रही है, जिसमें मंडला और बालाघाट जैसी सीटें प्रमुख हैं। विधानसभा चुनाव में जिन दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा, उनमें से कई प्रतिष्ठा का प्रश्न मानकर लोकसभा चुनाव में भाजपा से हिसाब चुकता करने के मूड में हैं।

इंटरनेट मीडिया पोस्ट को भी माना जाएगा प्रचार का हिस्सा

निर्वाचन आयोग की रहेगी पैनी नजर

सिटी चीफ भोपाल।
लोकसभा चुनाव में यदि किसी भी उम्मीदवार, पार्टी कार्यकर्ता द्वारा इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट अपलोड की जाती है तो उसे भी प्रचार का हिस्सा माना जाएगा। दरअसल लोकसभा निर्वाचन-2024 के दौरान अखबार और टीवी चैनलों में विज्ञापनों और पेड न्यूज की मानिटरिंग करने के साथ ही केंद्रीय निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार इंटरनेट मीडिया पर भी पूरी नजर रखी जाएगी। प्रिंट, इलेक्ट्रानिक एवं इंटरनेट मीडिया पर प्रचार का खर्च भी अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में जोड़ा जाएगा।

दायरा बढ़ाया

जानकारी के अनुसार अभी तक चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के द्वारा अखबार में प्रकाशित कराए जाने वाले समाचार, विज्ञापन और अलग-अलग चैनल पर दिखाए जाने वाले विजुअल्स पर ही नजर रखी जाती थी। बदलते समय के साथ अब इस बार के लोकसभा निर्वाचन में इंटरनेट मीडिया की पोस्ट को भी प्रचार का हिस्सा माना जाएगा। चुनाव के खर्चे में इंटरनेट मीडिया का खर्च भी जोड़ा जाएगा। केंद्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा इस बार के निर्वाचन में चुनाव खर्च की प्रक्रिया में इंटरनेट मीडिया को भी शामिल कर दिया गया है। इसी तरह भ्रामक और गलत सूचनाएं और फेक न्यूज फैलाने वालों पर भी पूरी नजर

रखी जाएगी और उन पर कार्रवाई भी की जाएगी। ऐसा कार्य करने वाले व्यक्ति का पता लगाकर कानूनी धाराओं के प्रविधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रकाशित सामग्री पर प्रिंटलाइन मुद्रित करना जरूरी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा जिले की राजस्व सीमाओं के भीतर समस्त प्रिंटिंग प्रेस आफसेट, पब्लिशर्स आदि मुद्रकों , प्रकाशकों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127-क के तहत निर्वाचन पर्चा, पोस्टरों, पेंपलेटों आदि के मुद्रण के लिए मुद्रक, प्रकाशकों को निर्देशित किया है कि कोई भी ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर अथवा निर्वाचन सामग्री प्रकाशित, मुद्रित नहीं करेगा, जिसके मुख्य पृष्ठ पर मुद्रक और प्रकाशक के नाम और निर्वाचन पते न हो एवं न ही वह मुद्रित करने के लिए प्रेरित करेगा एवं प्रसारित करेगा। कोई भी व्यक्ति ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर अथवा निर्वाचन सामग्री प्रकाशित , मुद्रित नहीं करेगा, जिसमें उसके प्रकाशक को अनन्यता के बारे में अपने द्वारा हस्ताक्षरित और ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा जो उसे स्वयं जानते हैं, अनुप्रमाणित द्विप्रतीक घोषणा मुद्रक, प्रकाशक को परिदत्त नहीं करता है। मुद्रित की जाने वाली अनेकानेक प्रतियों की प्रिंटलाइन में मुद्रक और प्रकाशक के नाम एवं पते स्पष्टत: दर्शाए जाएं तथा संख्या अंकित करना होगी।

लोकसभा चुनाव से ज्यादा टूटते कुनबे को जोड़े रखने में ताकत झोंक रही कांग्रेस, लगातार पार्टी छोड़ रहे नेता

सिटी चीफ भोपाल।
मालवा-निमाड़ क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति विधानसभा चुनाव के पहले से ही गड़बड़ा गई है। पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। लोकसभा चुनाव सामने होने के बाद भी कांग्रेस के बड़े नेताओं का फोकस चुनाव से ज्यादा अपने बिखरते कुनबे को को जोड़े रखने पर है। उज्जैन जिले में विधानसभा चुनाव से कांग्रेस को कई उम्मीदें थीं। कांग्रेस नेता दावा कर रहे थे कि इस बार सरकार उनकी बनेगी। मगर मोदी मैजिक और लाड़ली बहना योजना के कारण कांग्रेस का सपना अधूरा रहा। इसके बाद उज्जैन से विधायक चुने गए डा. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद कुछ कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए। हालांकि इनमें कोई बड़ा नेता शामिल नहीं है।कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता रह चुके एडवोकेट विवेक गुप्ता ने पिछले महीने कांग्रेस ज्वाइन की थी। शाजापुर जिले में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ही कई कांग्रेसी बीजेपी में शामिल हो गए थे। विधानसभा चुनाव के पश्चात कांग्रेस जिला अध्यक्ष रहे योगेंद्र सिंह बंटी बना अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में जिले में कांग्रेस के सामने पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेताओं के कारण बने रिक्त स्थान को भरना चुनौती है। इसके अलावा कांग्रेस विधानसभा चुनाव में जिले की तीनों सीट से चुनाव हारी है, ऐसे में भी कांग्रेसियों का मनोबल विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में कमजोर है। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के समय ही बड़े नेता सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग, राजेन्द्रसिंह गौतम, पूर्व विधायक विजयेंद्र सिंह मालाहेड़ा मनासा, रघुराजसिंह चौरड़िया नीमच, केके सिंह कालूखेड़ा जावरा, मुकेश काला सहित कई कांग्रेसी भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद से अभी तक कांग्रेस से भाजपा में कोई बड़ा नेता तो शामिल नहीं हुआ है। विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सात व कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इसके पश्चात अभी तक लोकसभा का उम्मीदवार घोषित नहीं होने से भी कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं में निराशा है। उन्हें एक जाजम पर लाने वाला कोई नेता भी दिख नहीं रहा है। इसके अलावा जिले के कांग्रेसी भी आपसी फूट से पार नहीं पा पा रहे हैं। इस कारण भी कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं मनोबल विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में और ज्यादा कमजोर हो रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ता व सरपंच भाजपा में हो रहे शामिल झाबुआ जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का भाजपा में शामिल होना लगातार जारी है। पिछले दिनों पारा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। गुरुवार को कालीदेवी से सटे हत्यादेहली गांव के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा में प्रवेश किया है। इसके पूर्व भी कई कांग्रेसी कार्यकर्ता व सरपंच भाजपा में शामिल हो चुके है। भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया का कहना है कि आगामी दिनों में अभी और कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होंगे। भाजपा नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के कार्यकर्ता व सरपंच भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता ले रहे भाजपा की सदस्यता खरगोन जिले में कांग्रेस की छह विधानसभा सीटें थी। इस विधानसभा में तीन सीटें ही मिली। तीन साल पहले सांसद नंदकुमार सिंह चौहान की मौत के बाद खंडवा लोकसभा का उपचुनाव हुआ था। इसमें बड़वाह के कांग्रेस विधायक सचिन बिरला अपने साथियों के साथ भाजपा में गए। विधानसभा चुनाव में भी सचिन बिरला ने जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा था। इसके बाद पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लाली शर्मा भी भाजपा में शामिल हुए थे। सनावद व बड़वाह क्षेत्र के ही कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के कुछ और नेताओं को भाजपा में लाने की तैयारी देवास में विधानसभा चुनाव के पहले जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुई थीं। कुछ दिन पहले कमल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलें तेज हुई थीं, जिस पर उनके समर्थक सज्जन सिंह वर्मा, दीपक जोशी के भी भाजपा में जाने के कयास लगाए गए थे। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। चुनाव से पहले ही दीपक जोशी भाजपा छोड़ कांग्रेस में गए थे, लेकिन अब फिर से उनके भाजपा में आने की अटकलें चल रही है। कुछ दिन पहले कांग्रेस के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भाजपा में आए हैं। आगामी कुछ दिनों में कांग्रेस के कुछ नेताओं को भाजपा में लाने की रणनीति पर काम चल रहा है। खंडवा में कांग्रेस सरकार के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ विधायक मान्धाता नारायण पटेल और नेपानगर सुमित्रा कास्डेकर कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए और चुनाव लड़कर विधायक निर्वाचित हुए थे। वहीं हाल ही के विधानसभा चुनाव में पंधाना से कांग्रेस से भाजपा में छाया मोरे भी भाजपा में शामिल हुईं। वे भी विधायक निर्वाचित हो चुकी हैं।

भोपाल से हिमाचल के लिए माल लेकर निकला ट्रक नोएडा से गायब

सिटी चीफ भोपाल।
देश की महारत्न कंपनियों में शुमार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के कारखाने से निकले लाखों रुपये के कापर वायर और स्क्रैप सामग्री ट्रक में भरकर हिमाचल प्रदेश भेजने का ठेका लेने वाले निजी ट्रक मालिक ने ठेकेदार को चकमा दे दिया। हिमाचल प्रदेश जाने के नाम पर लाखों का माल लेकर वह रवाना हुआ, लेकिन तय जगह पर नहीं पहुंचा। ट्रक मालिक राजू चौहान, उसका साला रवि, सहयोगी रोहन एवं नदीम जालम नामक आरोपितों ने ट्रक नोएडा के पास ले जाकर खड़ा कर दिया। इसके बाद आरोपितों ने ठेकेदार उमेश वासनिक को फोन कर बताया कि जीएसटी विभाग का छापा पड़ा है और पूरा माल जब्त कर लिया गया है। उमेश वासनिक अब आरोपितों से संपर्क

करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनके मोबाइल नंबर बंद आ रहे हैं। परेशान होने के बाद ठेकेदार उमेश वासनिक ने गोविंदपुरा थाने पहुंचकर आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस को दी जानकारी में ठेकेदार ने बताया कि भेल प्रबंधन से उन्होंने लाखों रुपय का कापर वायर और स्क्रैप मैटेरियल खरीदा था। इसे हिमाचल प्रदेश स्थित अपनी फैक्ट्री में भेजने के लिए ट्रक मालिक राजू चौहान और उसके साथियों से संपर्क किया था। 12 फरवरी को माल लेकर आरोपित रवाना हुए, लेकिन माल गायब हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला फांसी पर झूली, अंतिम बार पति से की थी फोन पर बात

सिटी चीफ भोपाल।
राजधानी के सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाली 27 वर्षीय महिला ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात रात घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। मर्ग कायमी के बाद पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। सुसाइड नोट नहीं मिलने से अभी महिला के खुदकुशी करने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि पति की रात ड्यूटी से उसे दिक्कत थी। घटना से पहले वह पति से फोन पर इसी को लेकर बात कर रही थी। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। दो साल पहले हुई थी शादी पुलिस के मुताबिक सोनम चिड़ार (27) मूलत: गंजबासौदा विदिशा की रहने

वाली थी। दो साल पहले उसकी शादी सूखी सेवनिया स्थित रेलवे स्टेशन के पास रहने वाले अंकित चिड़ार के साथ हुई थी। अंकित पेट्रोल पंप पर काम करता है। इन दिनों उसकी पंप पर रात की ड्यूटी चल रही थी। सोनम ने अंकित से बोला था कि वह रात के बजाय दिन में ड्यूटी किया करे, लेकिन उसकी ड्यूटी नहीं बदल पाई। बुधवार की रात करीब दो बजे दोनों के बीच फोन पर बातचीत हो रही थी। इस दौरान सोनम ने नाराज होकर फोन काट दिया। बाद में अंकित ने अपनी मां को फोन लगाकर उसे देखने का बोला। सास जब सोनम के कमरे में पहुंची तो वह फांसी पर लटक रही थी।

मप्र में इंदौर, छिंदवाड़ा समेत पांच ब्लाकों में भूजल का स्तर गंभीर

सिटी चीफ भोपाल।
मप्र में इंदौर के शहरी क्षेत्र, धार के तिरला, राजगढ़ के नरसिंहगढ़, सीहोर के आष्ठा और छिंदवाड़ा ब्लाक का भूजल स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। इसका खुलासा केंद्रीय भूमिजल आयोग के वर्ष 2023 की रिपोर्ट में हुआ है। इसमें बताया गया है कि 60 ब्लाक ऐसे हैं, जो अभी सेमी क्रिटिकल श्रेणी में हैं। यदि इनमें सुधार नहीं हुआ तो यहां की हालत भी चिंताजनक हो जाएगी। वहीं 26 ब्लाक ऐसे हैं, जहां भूजल का अत्याधिक दोहन किया जा रहा है। हालांकि अभी भी प्रदेश के 226 ब्लाकों में भूजल का स्तर सुरक्षित है। केंद्रीय भूमिजल आयोग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में

भूजल का 90 प्रतिशत पुनर्भरण वर्षा के जल से होता है। यदि वर्ष 2023 की बात करें तो मानसून के बाद जितना भूजल बढ़ा, उसमें से 58.75 प्रतिशत भूजल का दोहन कर लिया गया। इसमें 90 प्रतिशत भूजल का उपयोग कृषि, नौ प्रतिशत का घरेलू और एक प्रतिशत भूजल का उपयोग उद्योगों के लिए किया गया। इधर, मप्र के लिए राहत की बात यह है कि 71 प्रतिशत भू-भाग में पर्याप्त भूजल स्तर है जबकि 19 प्रतिशत सेमी क्रिटिकल और आठ प्रतिशत क्षेत्र में अत्याधिक दोहन हो रहा है। मात्र दो प्रतिशत क्षेत्र ही ऐसा है, जहां का भूजल स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंचा है। 10 वर्ष में 10 मीटर गिरा भूजल स्तर इंदौर में भूजल का स्तर 2012 में 150 मीटर गहराई में था, जो 2023 में 160 मीटर से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि भूजल दोहन इसी गति से जारी रहा तो 2030 तक भूजल स्तर 200 मीटर से अधिक गहरा हो सकता है। भूजल स्तर में गिरावट के कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

मासूम बालक के बाद आवारा श्वान ने दो और लोगों को बनाया था शिकार, आक्रोशित रहवासियों ने मार डाला

सिटी चीफ भोपाल।
श्यामला हिल्स में मंगलवार को छह वर्षीय मासूम हुमैर को जख्मी करने के बाद आवारा श्वानों ने दो ओर लोगों को घायल किया था। इससे गुस्साए स्थानीय लोगों ने कुत्ते को मौके पर ही पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना की खबर लगते ही नगर निगम ने इलाके से आवारा कुत्तों को उठाना शुरू कर दिया है। लेकिन संसाधन की कमी के कारण धीगी गति से इस

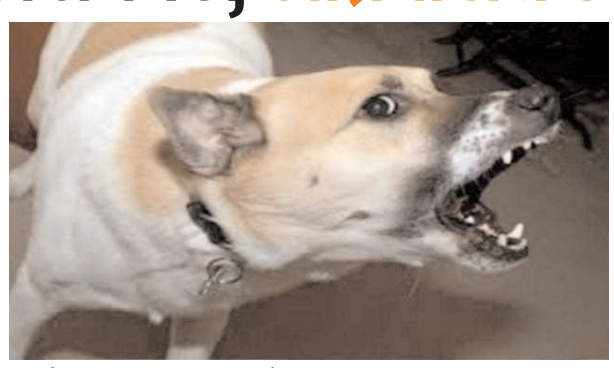

इलाके में मुहिम चल रही है। बच्चा अब खतरे से बाहर है, लेकिन उसका मुंह बुरी तरह से जख्मी है।

घायल बच्चे को आर्थिक सहायता की मांग इधर नगर निगम ने भी तुरंत इलाके में आवारा कुत्तों को पकडने़ की मुहिम शुरू की। पता चला कि जिस कुत्ते ने हुमैर को घायल किया, उसे तो घटना के समय ही गुस्साए लोगों ने मार दिया है। वहीं नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने निगम कमिश्नर को पत्र लिखकर घायल बच्चे को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।नाकाफी संसाधन बता दें कि निगम ने श्वानों को पकड़ने के लिए शहर के 21 जोन को चार हिस्सों में बांटा है। वहीं चार अधिकारियों को पूरे शहर के आवारा कुत्तों की जिम्मेदारी दी है। शहर के सबसे वीआइपी मूवमेंट वाले इलाके श्यामला हिल्स, जहां सीएम हाउस भी है, इसके 5 जोन में 12 कर्मचारी और वाहन मुहैया करवाए हैं। जो आवारा कुत्तों को पकडने़ के लिए नाकाफी हैं।

संपादकीय

सामूहिक बलात्कार में 30 साल बाद मिला अधूरा न्याय

सन् नब्बे के दशक में पृथक राज्य के लिए भड़के उत्तराखण्ड आन्दोलन के दौरान मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा पर पुलिस द्वारा दुष्कर्म, छेड़छाड़ और लूटपाट के मामले में उन्नीसवीं सदी में 4 बार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विलियम एवार्ट ग्लेडस्टन द्वारा कही गई यह कहावत, कि न्याय में विलम्ब होना न्याय से वंचित होने के समान है, एकदम सटीक साबित हो गई है। इस मामले में मुजफ्फरनगर के सत्र न्यायाधीश- कोर्ट नंबर सात विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) ने पीएसी के दो सेवानिवृत्त जवानों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक दोषी पर 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की धनराशि क्षतिपूर्ति के रूप में पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। अक्तूबर 1994 में हुए रामपुर तिराहा कांड में यह पहला फैसला है। इस मामले में न्याय का एक छोटा सा अंश पाने में ही पूरे 30 साल लग गए। इस सजा के बाद भी आरोपियों के पास न्याय के लिए सुप्रीमकोर्ट तक जाने के लिए लम्बा वक्त बचा हुआ है। इतने बड़े और अभूतपूर्व कांड में केवल ये दो पुलिसकर्मी बलात्कारी नहीं थे। सीबीआई जांच में उत्तराखण्ड मूल के दो पुलिसकर्मी भी आरोपी थे जिन्हें राज्य के गठन के बाद सजा मिलने के बजाय तरक्कियां मिलती गईं। दरअसल 2 अक्तूबर 1994 के मुजफ्फरनगर काण्ड के सिलसिले में मसूरी की उत्तराखण्ड संघर्ष समिति की ओर से याचिकाकर्ता- सुधीर थपलियाल, जोत सिंह एवं देवराज कपूर द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट में 7 अक्टूबर 1994 को न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि एस. धवन एवं न्यायमूर्ति ए.बी.श्रीवास्तव की बेंच में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर इलाहाबाद हाइकोर्ट ने पुलिस दमन को राज्य प्रायोजित आतंकवाद बताया था। कोर्ट ने पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए सीबीआई को आदेश जारी किए थे और सीबीआई ने सम्पूर्ण उत्तराखण्ड आन्दोलन में पुलिस दमन की जांच कर अपनी रिपोर्ट कई खण्डों में अदालत में दाखिल की थी। उन्हीं में से एक रिपोर्ट में आंदोलनकारी महिलाओं के साथ दुष्कर्म, लज्जाभंग, घायल करने और लूटपाट का विस्तृत विवरण था जिसे जयसिंह रावत की सद्य प्रकाशित पुस्तक ''उत्तराखण्ड का नवीन राजनीतिक इतिहास'' में दिया गया है। उसी विवरण का एक छोटा सा अंश इस प्रकार है:- ''सीबीआई की पहली रिपोर्ट के पृष्ठ 22 से लेकर 27 तक में बलात्कार एवं लज्जाभंग और छेड़छाड़ का विवरण दिया गया है। इसके समर्थन में संलग्नक भी दिए गए हैं। प्रथम रिपोर्ट के साथ लगे संलग्नक 6 भागों में तथा 391 पृष्ठों में हैं। इसके भाग तीन में गवाहों के बयान दर्ज हैं। इस रिपोर्ट के भाग तीन में बलात्कार एवं लज्जाभंग की शिकार महिलाओं और प्रत्यक्ष दर्शियों के बयान शामिल है। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार एवं लज्जाभंग हुई थी उन्होंने जांचकर्ताओं से निवेदन किया कि लोकलाज के डर से वे अपना नाम सार्वजनिक नहीं करना चाहती हैं। उनका यह भी कहना था कि उन्होंने घटना वाली रात के अपने वस्त्र वहीं कहीं फेंक दिए थे। उन्होंने इस मामले का ट्रायल भी सार्वजनिक तौर पर करने के बजाय कैमरे में करने का अनुरोध किया और अदालत भी यह उचित नहीं समझती कि उन बलात्कार की शिकार महिलाओं और गवाहों के नाम सार्वजनिक हों। बसों और गन्ने के खेतों में लूटीं महिलाओं की अस्मत उस रात पुलिस के बहसीपन पर सीबीआई द्वारा अपनी रिपोर्ट में दिए गए विवरण का एक छोटा सा अंश इस प्रकार है:- ''...इन बसों से यात्रा कर रहीं 17 आन्दोलनकारी महिलाओं ने आरोप लगाया कि उस रात पुलिसकर्मियों ने लाठी चार्ज करने के बाद उनसे छेड़छाड़ की और बड़ी संख्या में आन्दोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। लाठीचार्ज के बाद रैली वाले इधर-उधर तितर वितर हो गए थे। कुछ महिलाओं ने बताया कि कुछ पुलिसकर्मियों ने बसों में चढ़ कर महिलाओं से छेड़छाड़ की। कुछ ने कहा कि उनके साथ पुलिसकर्मियों द्वारा बलात्कार किया गया। इनमें से 3 महिलाओं ने कहा कि उनके साथ बसों के अन्दर ही बलात्कार किया गया, जबकि 4 अन्य का आरोप था कि उन्हें बसों से खींच कर नजदीक गन्ने के खेतों में ले जाया गया और वहां बलात्कार किया गया। ये सारी वारदातें मध्य रात्रि 12 बजे से लेकर 2 अक्तूबर सुबह 3 बजे के बीच हुईं। महिलाओं ने पुलिसकर्मियों पर उनके हाथों की घड़ियां, गले की सोने की चेन और नकदी लूटने का आरोप भी लगाया। इस काण्ड और जांच के बीच काफी समय गुजर जाने के कारण बलात्कार और लज्जाभंग के आरोपों की पुष्टि में कोई मेडिको-लीगल साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए। सीबीआई से 37 चश्मदीद गवाहों ने महिलाओं से छेड़छाड़ की बात स्वीकार की। कुछ पत्रकार, जो कि घटना के समय वहां मौजूद थे तथा निकटवर्ती एक होटल के मालिक ने बताया कि पुरुष पुलिसकर्मी आन्दोलनकारी तलाशी के नाम पर महिलाओं के शरीर टटोल रहे थे। रामपुर तिराहे के निकटवर्ती गावों के 70 चश्मदीद गवाहों ने बताया कि महिला आन्दोलनकारियों ने उन्हें पिछली रात उनके साथ हुई छेड़छाड़ और अशोभनीय पुलिस व्यवहार की जानकारी दी थी।...'' जयंती पटनायक के नेतृत्व में राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने भी इस जघन्य कांड की जांच की। पुस्तक ''उत्तराखण्ड का नवीन राजनीतिक इतिहास'' में दिए गए विवरण के अनुसार इस टीम में अध्यक्ष के अलावा पद्मा सेठ, बोनोज सेनापति और श्रीमती इंदिरा मिश्रा शामिल थीं। इस टीम ने गोपेश्वर, श्रीनगर, टिहरी और देहरादून को 13 से 16 अक्तूबर 1994 तक दौरा किया और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जिसमें 1 और 2 अक्तूबर 1994 की रात्रि को मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा की उस भयानक रात के विवरण का एक छोटा सा अंश इस प्रकार है:- ''रामपुर तिराहे पर अंधेरे में खड़ी बसों के अन्दर धुप अंधेरे में महिलाएं सांस रोके बैठी थीं। महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से बसों के अंदर की लाइटें बंद कर दी गई थीं। इस सन्नाटे के बावजूद पुलिस द्वारा आंसू गैस छोड़ा गया। आतंकित महिलाएं खुली हवा में सांस के लिए बसों से बाहर निकलीं तो उन्हें गन्ने के खेतों की ओर खींच कर ले जाया गया जहां उनकी साड़ियां खींची गईं। एक महिला ने बताया कि पुलिस की लाठियों से बचने के लिए जैसे ही वह भागी तो उसका पैर एक साड़ी से उलझ गया। वहां पर कुछ कपड़े पड़े थे। स्पष्टतया ये कपड़े रैली में शामिल उन महिलाओं के थे जिन्हें निर्वस्त्र कर दिया गया होगा। उस महिला ने साड़ी से अपना पैर छुड़ाया और फिर वहां से भाग सकी। बदहवासी में वह एक नाले में गिर गई जहां उसके कपड़े कीचड़ में लतपथ हो गए। वह किसी तरह ऋषिकेश पहुंचने में कामयाब हो गई। वह बदहवासी में ही ऋषिकेश पहुंची थी इसलिए लोगों ने पूछा कि आखिर ऐसा क्या हो गया। उसकी दशा को देख कर ही पता चल रहा था कि कुछ अनहोनी हो चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटनास्थल पर कुछ महिलाऐं केवल पेटीकोट में बदहवास भाग रही थीं। पुलिसकर्मी महिलाओं को मां बहन की गालियां दे रहे थे तथा लड़कियों को हरामी कह रहे थे। यही नहीं पुलिसकर्मी लड़कियों को बलात्कार की धमकियां भी दे रहे थे। आयोग के समक्ष दो महिलाओं ने अपने साथ बलात्कार होने की बात कही। उनमें से एक पीड़िता ने बताया कि 1 अक्तूबर की रात या 2 अक्तूबर तड़के एक आंसू गैस का गोला उनकी बस के अन्दर गिरा। गोला गिरते ही उसमें सवार अन्य लोग बस से बाहर भाग निकले मगर उस पर गोला सीधे गिरा था इसलिये वह अर्धचेतनावस्था में होने के कारण बस से बाहर नहीं निकल सकी। इतने में दो पुलिसकर्मी बस के अंदर घुसे और उन्होंने उसे निर्वस्त्र कर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। यह रैली की बसों की पंक्ति में आगे से दसवीं बस थी। बलात्कारियों के बहसीपन से पीड़िता बेहोश हो गई थी और जब उसे होश आया तो उसके सारे शरीर पर दातों के काटने के निशान थे और .... बस की फर्स पर पड़ा था। दूसरी दुष्कर्म पीड़िता ने बताया कि उसे पुलिसकर्मी खींच कर गन्ने के खेत में ले गए और उसके निजी अंगों पर उन्होंने रायफल की बटों से प्रहार किया। घायल करने के बाद उसके साथ भी दुष्कर्म किया गया।

हालातः यह मृत्यु झकझोरती है...और समाज की चुप्पी परेशान करने वाली

जो बांग्लादेश बड़ी तेजी से कट्टरवाद की ओर झुकता चला गया है, जहां स्त्रियों की स्वतंत्रता और उदार चिंतन की जगह क्रमशः सिकुड़ती गई है, और हाल के वर्षों में आर्थिक स्थिति बेहतर होने के कारण जहां उपभोक्तावाद तेजी से बढ़ा है, वहां पिछले दिनों घरेलू काम करने वाली एक आदिवासी किशोरी प्रीति उरांव की संदेहास्पद मृत्यु ने लोगों का ध्यान खींचा है। दक्षिण एशिया में उरांव आदिवासियों की बड़ी आबादी रहती है। भारत में मुख्यतः झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा में इनका निवास है, तो बांग्लादेश में भी इनकी बड़ी संख्या है। वर्ष 2020 की आदमशुमारी के मुताबिक, बांग्लादेश में उरांव आदिवासियों की आबादी लगभग 2.45 लाख है। मैं यहां उरांव आदिवासियों का इतिहास नहीं बताने जा रही। मैं इस समुदाय की एक लड़की प्रीति उरांव के बारे में बता रही हूं, जिसकी दर्दनाक कहानी ने एक बार फिर जहां गरीबों की असहायता को बताया है, वहीं यह त्रासदी आदिवासी समुदाय की विपन्नता को भी सामने लाती है। पंद्रह साल की प्रीति को स्कूल में होना चाहिए था। स्कूल न जाकर प्रीति लोगों के घर में काम क्यों करती थी? क्योंकि वह गरीब थी। उसके पिता एक चाय बागान में काम करते थे। लेकिन कम आय में गुजारा नहीं होता था, इसलिए प्रीति को लोगों के घर का कामकाज करने के लिए उसने ढाका भेज दिया था। दुनिया भर में ऐसे असंख्य मजबूर परिवार हैं, जो अपने बच्चों को काम करने के लिए भेज देते हैं। लेकिन प्रीति ढाका शहर के किसी आम घर में नहीं, चर्चित अंग्रेजी अखबार द डेली स्टार के एक संपादक के यहां काम करती थी, जिनकी स्वाभाविक ही बौद्धिक छवि थी। जो व्यक्ति अखबार में मानवाधिकार, स्त्री-पुरुष समान अधिकार और औरतों के साथ होनेवाली हिंसा के खिलाफ लिखता हो, जो हर तरह के शोषण के खिलाफ बात करता हो, उससे व्यवहारिक तौर पर भी स्त्रियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने की ही उम्मीद की जाती है। लेकिन पता चलता है कि उनके घर पर बाल श्रमिक काम करते थे। ऐसा क्यों था? अगर बौद्धिक लोग भी अपने घर पर बच्चों से काम कराएंगे, तो समाज किससे सीखेगा कि हर बच्चे को स्कूल जाने का अधिकार है? तथ्य यह है कि पिछले साल छह अगस्त को भी काम करने वाली एक किशोरी फिरदौसी नौवीं मंजिल स्थित उस व्यक्ति के फ्लैट से नीचे कूदकर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। अपनी जान जोखिम में डालकर वह किशोरी उतनी ऊंचाई से क्यों कूदी थी? फ्लैट में क्या हुआ था? महीनों बाद प्रीति उरांव को भी फिरदौसी की तरह अपनी जान जोखिम में डालकर नीचे कूदना पड़ा। लेकिन वह फिरदौसी की तरह भाग्यशाली नहीं थी। नीचे गिरने के बाद वह मर गई। सबसे स्तब्ध करने वाली बात यह है कि छह महीने पहले एक दुखद घटना घटने के बाद भी उस संपादक और उनके परिवारजनों ने कोई सबक नहीं लिया था। सिर्फ यही नहीं कि उनके यहां घरेलू कामगारों के शोषण का सिलसिला लगातार जारी रहा, बल्कि जिस खिड़की से फिरदौसी कूदी थी, उसमें ग्रिल लगाने या सुरक्षा की दूसरी व्यवस्था करने की जरूरत भी उस परिवार ने महसूस नहीं की। क्या उस परिवार को इसका अहसास नहीं था कि शोषण से तंग आकर काम करने वाली दूसरी लड़की भी जान बचाने के लिए कूद सकती है? या अपनी विशिष्ट पहचान या समाज में खास छवि के कारण उस परिवार को इसकी कोई परवाह नहीं थी?

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना था कि प्रीति के शरीर पर जख्मों के निशान थे। कुछ लोगों का कहना है कि प्रीति की बुरी तरह पिटाई की गई होगी, यहां तक कि उसे मार डाला गया होगा, फिर ऊपर से लाश नीचे फेंक दी गई। जबकि कुछ लोगों का यह आकलन है कि भीषण पिटाई के बाद प्रीति ने जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी होगी। आश्वस्ति की बात यह है कि आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने इस मामले में उस घर के कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गौर करने वाली बात यह है कि काम करने वाली नौकरानियों पर अत्याचार करने के कारण आरोपी को इससे पहले भी गिरफ्तार किया गया था। लेकिन यह मामला बेहद गंभीर है। प्रीति उरांव की मृत्यु से बांग्लादेश में हलचल मच गई है, तो इसका कारण यही है। पहाड़ी छात्रों का एक संगठन न सिर्फ प्रीति के मामले में न्याय की मांग करते हुए सड़क पर उतरा, बल्कि उसका यह भी कहना है कि प्रीति के पिता को दो लाख रुपये देकर आरोपी इस मामले को रफा-दफा करना चाहता है। यह एक और उदाहरण है कि समृद्ध लोगों को अपने अन्याय का कोई अहसास नहीं होता। इसके बजाय वे कुछ पैसे देकर गरीबों का मुंह बंद कर देने पर ज्यादा भरोसा करते हैं। यह सही है कि प्रीति उरांव की मौत से जुड़ी पूरी सच्चाई अभी तक सामने नहीं आई है। या तो उसे मारकर फेंक दिया गया होगा, या फिर शोषण से मुक्ति के लिए उसने खुद जोखिम उठाया होगा। लेकिन यह तो साफ ही है कि उसे काम करते हुए शोषण का सामना करना पड़ रहा था। दूसरे देशों की तरह बांग्लादेश में भी एक समय घरेलू नौकरानियों का खूब शोषण किया जाता था। लेकिन आज वह स्थिति नहीं है, क्योंकि हजारों की संख्या में खुली गारमेंट्स फैक्टरियों के कारण वहां घरेलू नौकरानियां मिलना पहले की तरह आसान नहीं है। उन्हें वेतन भी पहले की तुलना में ज्यादा मिलता है। पर मालिकों और घरेलू कामगारों का रिश्ता पहले जैसा ही है। गरीब महिलाओं की बड़ी आबादी अधिक वेतन के लालच में खाड़ी देशों का रुख करती हैं। यह अलग बात है कि वहां भी उन्हें शोषण का सामना करना पड़ता है। लेकिन यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है कि अपने देश में भी अनेक गरीब लड़कियां और महिलाएं शोषण का निरंतर शिकार होती हैं। प्रीति उरांव की मृत्यु ने, दुर्भाग्य से, समृद्ध होते समाज की उस दुखद सच्चाई से हमारा सामना कराया है, जिसमें न केवल अमीरी और गरीबी के बीच खाई बढ़ती जा रही है, बल्कि समाज में गरीबों के प्रति अमानवीय व्यवहार को सामान्य घटना समझ लिया जाता है। जब तक समतापूर्ण समाज का निर्माण नहीं होगा, तब तक अमीर-गरीब की खाई को पाटा नहीं जाएगा, तब तक गरीबों के शोषण पर अंकुश नहीं लगने वाला। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि समाज ऐसी घटनाओं पर चुप रह जाए, बल्कि ऐसे मामलों में समाज को ही सक्रिय होना पड़ेगा।

जल संकटः गर्मी से पहले ही प्यास से तरसने लगे शहर, भारत की सिलिकॉन वैली में हाहाकार

कवि रहीम ने कहा है, रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। लेकिन गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है कि इस साल कई शहरों में जल संकट मंडराने लगा है। होली के रंगों से नहाए बिना ही, फागुन में रंगों की फुहारों से सराबोर हुए बिना ही सूखे के हालात का सामना पड़ गया। जल संकट की जो स्थिति मई-जून के महीनों में होती थी, वह मार्च में ही दिखने लगी है और अभी से ही कई शहरों में लोग पानी की किल्लत से जूझने लगे हैं। भारत का आईटी हब कहा जाना वाला बंगलूरू शहर इन दिनों हर रोज बीस करोड़ लीटर पानी की कमी झेल रहा है। बंगलूरू के अलावा देश में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, भोपाल, कोलकाता, जयपुर, इंदौर जैसे अनेक शहर आज जल संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने चेतावनी दी है कि अगर हैदराबाद ने जल्दी ही जल संरक्षण के लिए उचित कदम नहीं उठाए, तो पानी के मामले में उसका भी हाल सिलिकॉन वैली% बंगलूरू जैसा ही होगा। चेन्नई में वह समय अब भी सबको याद होगा, जब नल सूख गए थे, और पानी की कमी के चलते स्कूलों को बंद करना पड़ा था। जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात करनी पड़ी थी। हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट में भी यह बात स्वीकार की गई है कि भारत के कई शहरों में जल संकट गहराता जा रहा है, और आने वाले वक्त में उसके और विकराल रूप लेने के आसार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जहां वर्ष 2030 तक देश की लगभग 40 फीसदी आबादी के लिए जल उपलब्ध नहीं होगा, वहीं 2020 तक देश में 10 करोड़ से भी अधिक लोग गंभीर जल संकट का सामना करने के लिए मजबूर थे। नीति आयोग की समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स) रिपोर्ट के अनुसार, देश के 21 प्रमुख शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग जल संकट की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। वास्तविकता यह भी है कि दुनिया की लगभग 17 फीसदी आबादी वाले देश भारत के पास दुनिया के ताजा जल संसाधनों का मात्र चार फीसदी ही है। भारत में लगभग 70 फीसदी सतही और ताजा जल के संसाधन सीवेज वेस्ट और कारखानों के अपशिष्ट से प्रदूषित हैं। वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वें स्थान पर है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र (32.8 करोड़ हेक्टेयर) में से 69 फीसदी (22.8 करोड़ हेक्टेयर) क्षेत्र सूखाग्रस्त है। ये आंकड़े हमारे देश में जल संकट की गंभीरता को साफ-साफ बयान करते हैं। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हो रहे बदलावों के कारण यदि पानी की मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। दरअसल, जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन की पदचाप गहराती जा रही है, वैसे-वैसे वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) बढ़ता जा रहा है। इसका असर मौसम के बदलते मिजाज के रूप में नजर आ रहा है। इसके चलते कहीं बारिश कम हो रही है, तो कहीं सर्दियों का मौसम अपेक्षाकृत गर्म हो रहा है। वर्ष 1975 से वर्ष 2000 के बीच जिस मात्रा और रफ्तार से हिमालय ग्लेशियर की बर्फ पिघल रही है, साल 2000 के बाद से वह मात्रा और रफ्तार दोगुनी हो गई है। वहीं दूसरी तरफ मौसम के इस बदलाव के कारण पहाड़ सर्दियों में बर्फ की चादर में लिपटने से वंचित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि वर्ष 2100 आने तक हिमालय के 75 फीसदी ग्लेशियर पिघल कर खत्म हो जाएंगे। इससे हिमालय के नीचे वाले भू-भाग में रहने वाले आठ देशों के करीब 200 करोड़ लोगों को पानी की किल्लत और बाढ़ के खतरे का सामना करना पड़ सकता है। इन देशों में भारत, पाकिस्तान, भूटान, अफगानिस्तान, चीन, म्यांमार, नेपाल और बांग्लादेश शामिल हैं। इन पर्वत शृंखलाओं के ग्लेशियर पिघलने से दिल्ली, ढाका, कराची, कोलकाता और लाहौर जैसे पांच महानगरों को पानी की भारी किल्लत का सामना करना होगा। इन नगरों की आबादी 9 करोड़ 40 लाख से ज्यादा है और इसी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी 26,432 मेगावॉट क्षमता वाली पनबिजली परियोजना है। जाहिर है, जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की समस्या से निपटने के लिए हमें जल संरक्षण के उपायों पर गंभीरता से विचार करना होगा और पर्यावरण सुरक्षा के उपाय करने होंगे।

सिनेमाघरों में 19 अप्रैल को आएगी फिल्म

'दो और दो प्यार'

मुंबई । बहुप्रतीक्षित फिल्म 'दो और दो प्यार' का टीजर जारी किया गया है, जिसमें एक प्रेम कहानी की झलक दिखाई गई है। अवार्ड विनिंग ऐड फिल्म मेकर शीर्ष गुहा ठाकुरता के निर्देशन में बनी यह फिल्म आश्चर्यजनक के साथ ही मनोरंजक भी है। इस फिल्म में विद्या बालन, प्रतीक गांधी, इलियाना डिक्रूज और सेंथिल राममूर्ति अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में दर्शकों को बहुत आनंद आएगा, क्योंकि वे प्यार, हंसी और मॉडर्न रिलेशनशिप से खुद को रिलेट कर पाएंगे। 'दो और दो प्यार' का म्यूजिक निश्चित रूप से आपके दिल को छू जायेगा। यह टीजर भावनाओं, मजेदार संवादों और रिश्तों के उलझे जाल को दर्शाता है। एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की फिल्म दो और दो प्यार का निर्देशन करके शीर्षा गुहा ठाकुरता अपना फीचर डेब्यू कर रही हैं। यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आईपीएल 2024 के ओपनिंग सेरेमनी में आज अक्षय कुमार, एआर रहमान बिखेरेंगे जलवा

मुंबई आईपीएल के 17वें सीजन के लिए क्रिकेट प्रेमी उत्साहित हैं। आईपीएल का यह नया सीजन 22 मार्च से शुरू होगा। इसका उद्घाटन समारोह चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आयोजित किया गया है। हर साल बॉलीवुड हस्तियां अपनी परफॉर्मेंस से आईपीएल के उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाती हैं। इस साल भी आईपीएल 2024 में इसकी शुरुआत धमाकेदार होगी और कई मशहूर हस्तियां मौजूद रहेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल के आईपीएल समारोह में बॉलीवुड के मशहूर सिंगर एआर रहमान और सोनू निगम शामिल होंगे। इस साल के आईपीएल ओपनिंग सेरेमनी में एआर रहमान और सोनू निगम की सुरीली आवाज स्टेडियम में गूंजेगी। इसके साथ ही बॉलीवुड के सुपर खिलाड़ी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अपनी खास परफॉर्मेंस से इस मौके की शोभा बढ़ाएंगे। आईपीएल का उद्घाटन समारोह 22 मार्च को शाम 6-30 बजे शुरू होगा। आईपीएल 2024 में पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू के बीच खेला जाएगा। दर्शक आईपीएल 2024 के मैच स्टार स्पोर्ट्स पर देख सकेंगे। क्रिकेट प्रेमी जियो सिनेमा पर आईपीएल की लाइव स्ट्रीमिंग भी देख सकते हैं।

खिड़की खोलकर सेक्स करते हैं पड़ोसी गृहिणी ने करवा दिया मामला दर्ज

बेंगलुरु । आप हैरान रह जाएंगे कि कभी-कभी ऐसे समाचार सुनने को मिल जाएंगे कि जिससे दंग रह जाएंगे। ऐसा ही मामला बेंगलुरु में सुनने को आया है। जहां 'सामने वाली खिड़की' से दिखने वाली कथित 'अश्लील हरकत' से परेशान होकर एक महिला ने पुलिस से पास शिकायत दर्ज कराई है। मामला दक्षिण बेंगलुरु के गिरिनगर के अवलाहल्ली का है। यहां एक 44 वर्षीय गृहिणी ने अपने नवविवाहित पड़ोसी कपल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने शिकायत में कहा है कि उसके पड़ोसी अपने बेड रूम की खिड़की खुली रखकर यौन संबंध बनाते हैं।हालांकि, मामले में एक नया मोड़ भी सामने आया है। दरअसल नवविवाहित कपल जिस मकान में रहता है उस मकान मालिक की पत्नी ने उलटे अपनी पड़ोसन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि महिला का परिवार उसके किरायेदारों से घर खाली कराने के इरादे से बिना मतलब के लड़ता रहता है।बाद में दोनों पक्ष गिरिनगर पुलिस स्टेशन पहुंचे और कहा कि वे मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। पुलिस ने उन्हें बताया कि चूंकि दोनों शिकायतों पर एफआईआर दर्ज की गई है, इसलिए शिकायतकर्ताओं को अदालत का दरवाजा खटखटाना होगा।एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 8 मार्च को, गृहिणी ने एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया कि उसने पिछली रात लगभग 10.30 बजे अपना मेन गेट खोला तो वह दंग रह गई। उसके नवविवाहित किरायेदार कपल सेक्स कर रहे थे। महिला ने कहा, यह बहुत ही घटिया था। मैंने उनसे कहा कि वे खिड़की बंद कर लें और जो चाहें करें। लेकिन उन्होंने मेरी नहीं सुनी। दंपति ने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और बलात्कार करने और जान से मारने की गंभीर धमकियां दीं।इसके जवाब में, नवविवाहित किरायेदार की मकान मालकिन ने 10 मार्च को एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई। इसमें 'ओपन सेक्स' की शिकायत करने वाली महिला और उसके परिवार पर जानबूझकर उसके किरायेदारों के साथ झगड़ा करने का आरोप लगाया गया। नवविवाहित जोड़े और उसके मकान मालिक और गृहिणी महिला और उसके पति पर भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रणवीर सिंह के घर सितंबर में आएगा नन्हा मेहमान

रणबीर कपूर से ले रहे हैं अच्छे पापा बनने की ट्रेनिंग

मुंबई । रणबीर कपूर अपनी बेटी राहा से बहुत प्यार करते हैं, इसका प्रूफ तो कई बार फैंस को मिल गया है। वह अपने लगभग हर इंटरव्यू में बेटी को लेकर बात करते नजर आते हैं। इसके अलावा वह बेटी के साथ ज्यादा से ज्यादा टाइम स्पेंड करना पसंद करते हैं। रणबीर को अच्छा पिता बनता देख अब रणवीर सिंह भी उनसे ट्रेनिंग ले रहे हैं क्योंकि वह भी जल्द इस जर्नी को एंजॉय करने वाले हैं। दरअसल, रणवीर और दीपिका पादुकोण ने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट के दौरान बताया कि सितंबर में बेबी की डिलीवरी डेट है।

रणबीर से इम्प्रेस रणवीर बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट्स के मुताबिक पापा बनने से पहले रणवीर एक अच्छे पिता की ट्रेनिंग लेना चाहते हैं। हाल ही में अंबानी परिवार के फंक्शन के दौरान जब रणवीर, रणबीर से मिले तो वह उनकी फादरहुड जर्नी देखकर काफी इम्प्रेस हुए और दोनों ने इस टॉपिक पर बात भी की। दोनों ने जितनी देर बात की सिर्फ बच्चों को लेकर बात की। रणबीर जिस तरह बेटी राहा का ध्यान रखते हैं, रणवीर को वो देख काफी खुशी हुई।

लंबा पैटरनिटी ब्रेक वहीं इससे पहले खबर आई थी कि रणवीर बेबी होने के बाद लंबा पैटरनिटी ब्रेक लेंगे। ऐसा कहा जा रहा है कि दीपिका ने अपने सारे काम खत्म कर दिए हैं। वहीं रणबीर बैजू बावरा के बाद लंबा ब्रेक लेंगे जिसमें वह दीपिका और बेबी के साथ टाइम स्पेंड करेंगे। इसके बाद ही वह डॉन 3, शक्तिमान फिल्मों की शूटिंग शुरू करेंगे।

दीपिका की फिल्म दीपिका अब फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में दीपिका के साथ प्रभास और अमिताभ बच्चन लीड रोल में हैं। प्रभास और दीपिका की जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। वहीं बिग बी के साथ तो दीपिका पहले फिल्म पीकू कर चुकी हैं।

सारा अली नहीं इमरान हाशमी का चला जादू, फिल्म देखने से पहले पढ़े 'ऐ वतन मेरे वतन' का रिव्यू

मुंबई । ऐ वतन मेरे वतनज्ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर सारा अली खान की फिल्म ने दस्तक दे दी है। इस फिल्म में सारा ने सच्ची गांधीवादी और कांग्रेस रेडियो की फाउंडर उषा मेहता का किरदार निभाया है। वहीं कल (22 मार्च) सिनेमाघरों में 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' आने वाली है। 'ऐ वतन मेरे वतन' के रिव्यू में 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' का जिक्र इसलिए किया गया है क्योंकि दोनों ही फिल्में स्वतंत्रता सेनानी पर आधारित हैं और दोनों ही फिल्में एक दिन के अंतराल में रिलीज हो रही हैं। एक फिल्म में सारा अली खान हैं और दूसरी फिल्म में रणदीप हुड्डा। रणदीप हुड्डा ने 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में कैसा काम किया है इसकी झलक तो हमें उनके ट्रांसफॉर्मेशन की तस्वीरों में ही देखने को मिल गई है। अब सवाल यह उठता है कि सारा अली खान ने कैसा काम किया है? चलिए बताते हैं। कुछ ऐसी है फिल्म की कहानी नौ साल की उषा (सारा अली खान) के मन में आजाद भारत का सपना पल रहा होता है। वह बचपन में तो ज्यादा कुछ कर नहीं पाती है

जापान में भूकंप के दौरान बाल-बाल बचे एसएस राजामौली

मुंबई । मशहूर फिल्म डायरेक्टर एसएस राजामौली और उनके बेटे एसएस कार्तिकेय भूकंप से बच गए। गुरुवार, 21 मार्च को जापान में 5.3 की तीव्रता वाला भूकंप आया। भूकंप जिस समय आया, आरआरआर फिल्म की पूरी टीम 28वीं मंजिल पर थी। राजामौली के बेटे कार्तिकेय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि, जब भूकंप आया तो आरआरआर की पूरी टीम होटल की 28वीं मंजिल पर थी। स्मार्टवॉच में भूकंप का अलर्ट दिखने के तुरंत बाद उन्हें झटके महसूस हुए। उन्होंने स्मार्टवॉच में दिख रहे भूकंप के अलर्ट मैसेज की फोटो शेयर करते हुए ट्वीट किया है। इसमें कार्तिकेय कहते हैं, अभी जापान में भूकंप महसूस हुआ। हम 28वीं मंजिल पर थे। जमीन धीरे-धीरे हिलने लगी। हमें यह समझने में थोड़ा समय लगा कि यह भूकंप है। मैं चीखने ही वाला था लेकिन हमारे आसपास के जापानी लोगों को कोई परवाह नहीं थी उनकी प्रतिक्रिया ऐसी थीं जैसे कुछ बारिश होने वाली हो। जापान के मौसम विभाग ने बताया है कि गुरुवार 21 मार्च को पूर्वी इलाके में 5.3 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। नए साल की शुरुआत में जापान में 21 भूकंप के झटके महसूस किए गए। एसएस राजामौली पिछले कुछ दिनों से फिल्म की टीम के साथ जापान में हैं। राजामौली फिल्म की टीम और परिवार के साथ आरआरआर की स्क्रीनिंग में शामिल होने के लिए जापान में हैं। राजामौली की फिल्म पिछले 513 दिनों से जापान में दिखाई जा रही है। जापान में आरआरआर का जबरदस्त क्रेज है।

रणबीर कपूर की 'रामायण' एक बार फिर मुसीबत में

इस वजह से रोकी गई फिल्म

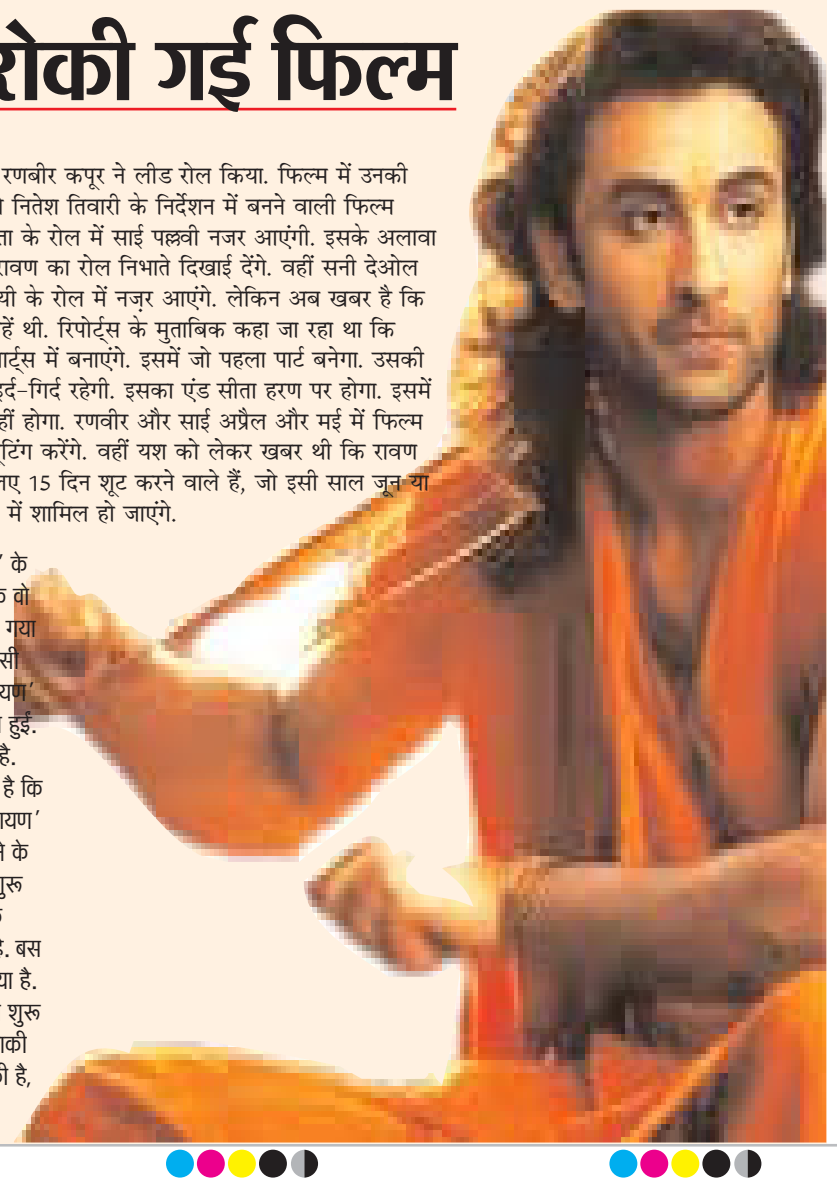

मुंबई- पिछले साल रिलीज हुई 'एनिमल' में रणबीर कपूर ने लीड रोल किया. फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हुई. इसके बाद वो नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे. उनके साथ माता सीता के रोल में साई पल्लवी नजर आएंगी. इसके अलावा खबर थी कि चलस्न स्टार यश इस फिल्म में रावण का रोल निभाते दिखाई देंगे. वहीं सनी देओल और लारा दत्ता जैसे एक्टर्स हनुमान और कैकेयी के रोल में नज़र आएंगे. लेकिन अब खबर है कि रणबीर और साई को छोड़कर सारी अफवाहें थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा था कि डायरेक्टर नितेश तिवारी इस फिल्म को तीन पार्ट्स में बनाएंगे. इसमें जो पहला पार्ट बनेगा. उसकी स्टोरी सिर्फ रणबीर कपूर और साई पल्लवी के इर्द-गिर्द रहेगी. इसका एंड सीता हरण पर होगा. इसमें हनुमान और रावण का किरदार ज्यादा लंबा नहीं होगा. रणवीर और साई अप्रैल और मई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे और 2 महीने तक शूटिंग करेंगे. वहीं यश को लेकर खबर थी कि रावण बनने वाले यश नितेश तिवारी की फिल्म के लिए 15 दिन शूट करने वाले हैं, जो इसी साल जून या जुलाई के महीने में शामिल हो जाएंगे.

इसके बाद खबर आई कि फिल्म मेकर्स 'रामायण' के कैरेक्टर की कॉस्ट्यूम पर काम कर रहे हैं. क्योंकि वो फिल्म में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते. ये भी कहा गया कि रणबीर कपूर की 'ब्रह्मास्त्र' और 'ड्यून' जैसी फिल्मों के लिए ङ्कस्न्ङ्ग बनाने वाली ष्टहृश्वत्र ही 'रामायण' पर काम करेगी. लेकिन सभी खबरें अफवाह साबित हुई. अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है. बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि फिल्म मेकर्स के बीच आपसी मतभेद के चलते 'रामायण' आगे बढ़ती जा रही है. आपसी मामलों को सुलझाने के बाद ही फिल्ममेकर्स 'रामायण' पर काम करना शुरू करेंगे. लेकिन ऐसा नहीं है कि नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनने वाली ये फिल्म बंद कर दी गई है. बस कुछ समय के लिए काम को पोस्टपोन कर दिया गया है. इससे ये साफ होता है कि 'रामायण' की शूटिंग इस शुरू नहीं होगी. फिल्म मेकर्स ने अभी तक फिल्म की बाकी स्टार कास्ट को लेकर भी कोई अनाउंसमेंट नहीं की है, कि फिल्म में कौन-कौन और एक्टर होंगे.

टीवी की सोनारिका ने दिखाया ग्लैमरस अवतार, देखने वालों के उड़े होश

मुंबई । 'देवों के देव महादेव' सीरियल में माता पार्वती का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया ने 19 फरवरी को विकास पाराशर के साथ सात फेरे ले लिए थे। एक्ट्रेस की शादी रणथम्भौर में बड़े ही धूमधाम से हुई थी। उनकी शादी की तस्वीरें जमकर वायरल हुई थी। वहीं इन दिनों सोनारिका भदौरिया अपने पति के साथ वेकेशन पर हैं, जहां से एक्ट्रेस लगातार अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर रही हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक लोगों के होश उड़ा रहा है।

टीवी की पार्वती का दिखा ग्लैमरस अवतार सोनारिका भदौरिया ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें वह ऑरेंज टॉप और व्हाइट लूज पैंट्स में दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस के टॉप का डीप नेक उनके लुक को बोल्ड दिखा रहा है। खुले हुए बालों के साथ एक्ट्रेस इस लुक में एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। सोनारिका का ये अंदाज लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

बिकिनी में कातिलाना दिखीं सोनारिका वहीं इस तस्वीर से पहले सोनारिका ने अपनी कुछ और तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वो व्हाइट बिकिनी में कातिलाना दिखीं। पर्दे पर माता पार्वती के किरदार में नजर आने वालीं सोनारिका भदौरिया रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। इसका अंदाजा आप उनकी इन तस्वीरों से लगा सकते हैं। फिलहाल सोनारिका भदौरिया के वेकेशन की ये तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर छाई हुई है। बता दें कि सोनारिका भदौरिया 18 फरवरी को शादी के बंधन में बंधी हैं। एक्ट्रेस ने सवाई माधोपुर में शादी की। सोनारिका भदौरिया ने साल 2022 में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड विकास पाराशर संग सगाई की थी। 'देवों के देव महादेव' के बाद सोनारिका को घर-घर में पहचान मिली है। वह टेलीविजन जगत का जाना माना चेहरा हैं।

900 रुपये के उछाल के साथ चांदी 75000 रुपये पार, सोने के दाम भी बढ़े

इंदौर। विदेशी बाजारों में कीमती धातुओं को लेकर मजबूत रुख और धारणा बनी हुई है। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बदलाव भले नहीं किया, लेकिन फेडरल फंड रिजर्व (एफएफआर) को लेकर 2025 की धारणा उच्च मानी जा रही है। दरअसल, फेड अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुधार तो देख रहा है लेकिन ब्याज दरों में कटौती से पहले अभी और ज्यादा सबूतों की दरकार भी महसूस कर रहा है।2025 के लिए मानिटरी पालिसी में भी संशोधन की संभावना दो महीने की उच्च महंगाई रिपोर्ट के चलते मानी जा रही है। विदेशी बाजार और अमेरिका से मिले संकेतों के चलते एमसीएक्स पर सोना अब तक के उच्चतम स्तर 66778 पर पहुंच गया। इसी के असर से हाजर बाजार में भी सोने में उछाल देखा जा रहा है। इंदौर सराफा में सोने के दाम में गुरुवार को 600 रुपये की बढ़त रही। हाजिर में सोना कैडबरी 66725 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। चांदी में भी जोरदार उछाल देखा जा रहा है। औद्योगिक मांग बढ़ने की उम्मीद और सोने की तेजी भी चांदी को सहारा दे रही है। एमसीएक्स पर चांदी ने 75 हजार का स्तर पार किया और कामेक्स पर भी 25 डालर प्रति औंस के पार निकल गई। इसका असर रहा कि इंदौर हाजर बाजार में चांदी नकद में 75000 रुपये बोली गई। जबकि आरटीजीएस में चांदी के भाव 76350 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए। अभी होलाष्टक में सराफा में ग्राहकी अटकी है। हालांकि अप्रैल में फिर से वैवाहिक मुहूर्त हैं। ऐसे में कीमती धातुओं को आगे भी सहारा मिलेगा। कामेक्स सोना ऊपर में 2219 व नीचे में 2184 डालर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 25.77 तथा नीचे में 25.77 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। सोना कैडबरी रवा नकद में 66725 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 68600 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) 62840 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। बुधवार को सोना 66125 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 75000 रुपये, चांदी टंच 75200 रुपये तथा चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 76350 रुपये प्रति किलो बोली गई। बुधवार को चांदी 74100 रुपये पर बंद हुई थी।

अर्जेंटीना में सोयाबीन के दाम नीचे, मलेशिया पाम तेल भी घटा, इंदौर में भाव स्थिर

इंदौर। दक्षिण अमरीकी देश अर्जेन्टीना में चालू सीजन के दौरान 500 से 525 लाख टन के बीच सोयाबीन का उत्पादन होने का अनुमान है। नई फसल की छिटपुट कटाई-तैयारी भी आरंभ हो चुकी है। घरेलू बाजार भाव नीचे होने से किसान अपने स्टॉक की बिक्री धीमी गति से कर रहे हैं। वे कीमतों में तेजी आने का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि सरकार एक बार फिर सोयाबीन की बिक्री की रफ्तार तेज करवाने के लिए सोया डॉलर प्रोग्राम शुरू कर सकती है। पिछले दो साल में चार बार यह प्रोग्राम चलाया गया और इसका परिणाम भी सुखद रहा।अर्जेन्टीना सरकार को डालर की सख्त आवश्यकता है, क्योंकि इसके सहारे ही वह विदेशी कर्ज उतारने एवं अर्थ व्यवस्था को स्थिर रखने में सफल हो सकती है। हालांकि अर्जेन्टीना सरकार ने फिलहाल सोया डालर योजना शुरू करने से इंकार किया है लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि इस प्रोग्राम को लागू करना आवश्यक है। दुनिया के तीसरे सबसे प्रमुख सोयाबीन उत्पादक एवं निर्यातक देश अर्जेन्टीना को सोयाबीन तेल एवं सोयामील के निर्यात से भारी मात्रा में बहुमूल्य विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। वस्तुत: अर्जेन्टीना संसार में सोयातेल एवं सोयामील का सबसे बड़ा निर्यातक देश है। यदि किसानों द्वारा सोयाबीन की बिकवाली की गति धीमी रखी गई तो क्रशिंग-प्रोसेसिंग उद्योग को पर्याप्त मात्रा में कच्चा माल नहीं मिलेगा और सोयातेल तथा सोयामील का उत्पादन एवं निर्यात प्रभावित होगा। भारत में सोया तेल का सर्वाधिक आयात अर्जेन्टीना से ही होता है। अगले सप्ताह से अर्जेन्टीना में सोयाबीन फसल की कटाई-तैयारी की गति काफी तेज होने वाली है।इस बीच मलेशियाई पाम तेल वायदा में उत्पादन की अनिश्चितताओं के चलते गुरुवार को गिरावट देखी गई। रिपोर्ट के अनुसार उत्पादन 22 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। बताया जा रहा है कि अभी पाम की मांग सुस्त पड़ी हुई है। इस बीच प्रदेश की मंडियों में सोयाबीन की कीमतें सुस्त है। अब होली के कारण किसान माल भी कम ला रहे हैं। खाद्य तेल बाजारों में होलीपूर्व का स्टाक व मांग की पूर्ति हो चुकी है।

सोयाबीन तेल इंदौर के भाव में पांच रुपये की नरमी रही। इंदौर सोयाबीन रिफाइंड 980 से 985 रुपये प्रति दस किलो बिका। हालांकि गुजरात से आपूर्ति तंग होने से और खेरची मांग होने से मूंगफली तेल स्थिर और मजबूत है। आगे होली की छुट्टियों के चलते कीमतों में गिरावट की बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं है। हालांकि होली के बाद खाद्य तेल बाजार में एक करेक्शन की उम्मीद की जा रही है। छावनी मंडी में सोयाबीन 4450 से 4600, सरसों निमाड़ी 6100-6200, सरसों मीडियम 5800-6000 और रायडा 4650-4800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव रहे।

लूज तेल के दाम - (प्रति दस किलो के भाव) मूंगफली तेल इंदौर 1500-1520, मुंबई मूंगफली तेल 1520, इंदौर सोयाबीन तेल रिफाइंड 980-985, इंदौर सोयाबीन साल्वेंट 935-940, इंदौर पाम 1015-1020, मुंबई सोया रिफाइंड 1015, सोया डीगम 935, मुंबई पाम तेल 960, राजकोट तेलिया 2370, गुजरात लूज 1450, कपास्या तेल इंदौर 940 रुपये।

सोयाबीन प्लांट खरीदी भाव - अवि 4650, बंसल 4625, सोनिक 4650, स्काईलार्क 4600, प्रकाश पीथमपुर 4665, दिव्य ज्योति 4600, महेश देवास 4650, रुचि मांगलिया 4600, प्रेस्टीज 4650, लक्ष्मी 4580, विप्पी 4600, लाभांशी 4675, मित्तल 4650, स्नेहिल 4625, इटारसी सांवरिया 4600, नीमच एमएस 4700, धानुका 4675, धीरेंद्र 4665, प्रोटीन 4675, रतलाम सिंहल 4650, बैतूल 4680, सतना 4685, हरदा सालासर 4650, वर्धमान कालापीपल 4600, खंडवा 4625, मंदसौर सूर्या 4640, हरिओम 4660, पचोर दिव्य ज्योति 4625, ब्यावरा कोरोनेशन 4625, लिविंग शुजालपुर 4655, रामा धर्मपुरी 4600 रुपये

कपास्या खली - (60 किलो भरती) इंदौर 1800, देवास 1800, उज्जैन 1800, खंडवा 1775, बुरहानपुर 1775, अकोला 2800 रुपये।

जीरा और सौंफ की आवक जोरदार मांग कमजोर होने से भाव में मंदी

इंदौर। चालू रबी सीजन के दौरान जीरा के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि, प्रमुख उत्पादक राज्यों गुजरात और राजस्थान में उत्पादन चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के साथ ही वहां नए मालों की आवक धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। इसके चलते कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। भारत में संभावित बंपर फसल की उम्मीद के बावजूद, भारतीय जीरा की वैश्विक मांग में गिरावट आई, क्योंकि भारत में अपेक्षाकृत अधिक कीमतों के कारण खरीदारों ने सीरिया और तुर्की जैसे विकल्पों को प्राथमिकता दी। इस वजह से जीरे के दामों में फिलहाल तेजी नजर नहीं आ रही है। इंदौर में जीरा ऊंझा घटकर 310 से 315, मीडियम 333 से 345, बेस्ट 350 से 372 रुपये प्रति किलो रह गया।दूसरी ओर राजस्थान और गुजरात से जीरे के साथ ही सौंफ की फसल भी जोरदार बताई जा रही है। इसके चलते बाजारों में सौंफ की आवक भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। इस वजह सौंफ के दाम भी घटाकर बोले जाने लगे है। इंदौर में सौंफ मोटी घटकर 120 से 150, मीडियम 200 से 220, बेस्ट 280 से 320, बारीक 270-310 रुपये प्रति किलो रह गई। इन दामों पर भी बाजार में ग्राहकी बेहद सुस्त बनी हुई है। शकर में मांग का दबाव धीरे-धीरे बढ़ने लगी है जिससे शकर के घटते दामों में रुकावट आई है। शकर नीचे में 3750 तथा ऊपर में 3830 रुपए प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की रही।

नारियल, खोपरा गोला और बूरे में फिलहाल ग्राहकी बेहद कमजोर बनी हुई है, जिससे इनके दामों में स्थिरता रही। व्यापारियों का कहना है कि नारियल में अगले एक-दो दिन में होली पूर्व की लोकल डिमांड आ सकती है जिससे नारियल में मंदी के आसार कम हैं। नारियल 120 भरती 1550-1600, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1500-1550 रुपये प्रति बोरी के भाव रहे। खोपरा गोला बक्सा 115-130, कट्टे 105-107 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2350-4400 रुपये प्रति (15 किलो) के भाव रहे।

शकर-गुड़ के दाम - शकर 3750-3830, एम-शकर 3900-4000, गुड करेली कटोरा 3700-3800, लड्डू 3900-4000, गिलास एक किलो 4600-4800, भैली 3500-3600 रुपये क्विंटल। नारियल - नारियल 120 भरती 1550-1600, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1550-1600, 250 भरती 1500-1550 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 115-130, कट्टे 105-107 रुपये प्रति किलो और खोपरा बूरा 2350-4400, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2799 प्रति 15 किलो ।

फलाहारी के दाम - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7420, सच्चासाबू खीरदाना 7290, सच्चासाबू चीनीदाना 7740, सच्चासाबू फूलदाना 8110, साबूदाना चक्र एगमार्क 7130, शिवज्योति (1 किलो) 7040, गोपाल लूज (25 किलो) 6620, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9770 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबूदाना (1 किलो) 7300, रायलरतन (500 ग्राम) 7360 व रायलरतन लूज 6800, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5450 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।

पूजन सामग्री - केसर 180-188 ब्रांडेड 210-213, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 310 से 315, मीडियम 381 से 324 बेस्ट 345 से 375 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1325 से 1374 बेस्ट 1450 से 1650, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1950 मीडियम बोल्ड 2050 से 2150 बोल्ड 2250-2400 बेस्ट ए बोल्ड 2450-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये।

सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 550-570 बेस्ट 640-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 750-760 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

गेहूं और डालर चने में गिरावट, मूंग-मसूर दाल में उपभोक्ता मांग से मजबूती

इंदौर। तुवर का बाजार भाव इस समय काफी ऊंचा चल रहा है, क्योंकि घरेलू प्रभाव में इसकी मांग एवं आपूर्ति के बीच भारी अंतर बना हुआ है। यह वजह है कि सरकारी दबाव भी तुवर दाल की कीमतों पर घटा नहीं पा रहा है। दरअसल, मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए विदेशों से विशाल मात्रा में तुवर का आयात करना पड़ता है, जबकि अक्सर इसका वैश्विक बाजार भाव ऊंचा रहता है।कृषि मंत्रालय ने 2023-24 सीजन के दौरान 33 लाख टन से कुछ अधिक तुवर के उत्पादन का अनुमान लगाया है, जबकि इसकी खपत बढ़कर 45 लाख टन के करीब पहुंचने की संभावना है। नीति आयोग के एक पैनल से कहा है कि देश में ऊंची कीमत वाले खाद्य उत्पादों की खपत बढ़ रही है, जिसमें दलहन भी शामिल है। वर्ष 2023 के दौरान देश में करीब 7.70 लाख टन तुवर का आयात हुआ। वहीं, तुवर दाल का औसत खुदरा मूल्य 160 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया। चालू वर्ष के आरंभ से मूल्य स्तर इसके आसपास ही बना हुआ है। सभी दालों में तुवर दाल का दाम ही सबसे ऊंचे स्तर पर है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 2022-23 सीजन के दौरान देश में 260.50 लाख टन दलहनों का उत्पादन हुआ जबकि चना के उत्पादन में भारत लगभग आत्मनिर्भर बना हुआ है। सरकार ने मार्च 2025 तक तुवर, उड़द एवं मसूर के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दे रखी है। तुवर का आयात मुख्यत: म्यांमार एवं अफ्रीकी देशों (मोजाम्बिक, मलावी आदि) से होता है। सरकार दाल का बफर स्टाक बनाने की कोशिश कर रही है। इसके पीछे भी कीमतों पर नियंत्रण की नीति है। हालांकि अब तक कोई खास सफलता नहीं मिली है। किसानों से केवल 20 हजार टन तुवर ही सरकारी एजेंसियां खरीद सकी है। आगे की धारणा तुवर में मजबूती की देखी जा रही है। मानसून पूर्व तुवर में एक उछाल आ सकता है। इस बीच होली पूर्व उपभोक्ता मांग के चलते मूंग और मसूर की दाल में 100 और 50 रुपये की मजबूती आई। इंदौर मंडी में दलहन के दाम गुरुवार को स्थिर रहे। हालांकि डालर चने में मंदी देखी गई। मंडी में डालर मीडियम 9200 से 9800 और बोल्ड 10000 से 10600 बिका जबकि कंटेनर में डालर चने में 200 रुपये की गिरावट रही। मंडी में अभी हल्के माल की आवक ज्यादा है। नकदी की किल्लत भी है और चुनावी मौसम से भी व्यापार सुस्त देखा जा रहा है। कंटेनर में डालर चना घटकर 40/42 11700, 42/44 11500, 44/46 11300, 58/60 9800, 60/62 9700, 62/64 9600 रुपये क्विंटल रह गया।

गेहूं में भी नरमी- इस बीच गेहूं के दाम में भी 100 रुपये की नरमी देखी गई। इंदौर मंडी में गेहूं की आवक गुरुवार को 75000 बोरी रही। हालांकि माल ज्यादातर हल्की क्वालिटी का ही आ रहा है। कारोबारियों के अनुसार सीजन के आखिर में हुई बरसात और ओलावृष्टि का असर और उससे पहले एकाएक गर्मी का प्रभाव अब दिख रहा है। मंडी में आ रही उपज की क्वालिटी हल्की है। गेहूं का दाना छोटा है और रंग भी फीका या दागी है। ऐसे में आगे के सौदों में दिक्कत आ रही है। लिहाजा दाम घटाकर माल बिक रहा है।

23 से होली का अवकाश

छावनी अनाज मंडी में मार्च के आखिरी में अब होली और खाताबंदी के अवकाश से कारोबार सीमित दिनों में होगा। व्यापारी एसोसिएशन के अनुसार किसानी मंडी 23 से 25 मार्च को होली के चलते बंद रहेगी। इसके बाद 28 मार्च से 31 मार्च तक बैंक की वार्षिक खाताबंदी के कारण भी मंडी में कामकाज बंद रहेगा। हालांकि व्यापारी मंडी में इन दिनों में सिर्फ 25 मार्च धुलेंडी और रंगपंचमी 30 मार्च का ही अवकाश घोषित किया गया है।

दलहन के दाम - चना कांटा 5800, विशाल 5400-5550, डंकी 5300-5400, मसूर 5850-5875, तुवर महाराष्ट्र सफेद 10300-10400, कर्नाटक 10400-10600, निमाड़ी तुवर 8700-9700, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2400, पूर्णा 2550-2600, मालवराज 2300-2350, लोकवन 2750-2800 रुपये क्विंटल।

दालों के दाम - चना दाल 7650-7750, मीडियम 7850-7950, बेस्ट 8050-8150, मसूर दाल 7150-7250, बेस्ट 7350-7450, मूंग दाल 10500-10600, बेस्ट 10700-10800, मूंग मोगर 11400-11500, बेस्ट 11600-11700, तुवर दाल 12000-12100, मीडियम 13000-13100, बेस्ट 13800-13900, ए. बेस्ट 14200-14900, पैक्ड तुवर दाल नई 15000, उड़द दाल 10800-10900, बेस्ट 11000-11100, उड़द मोगर 11200-11300, बेस्ट 11400-11500 रुपये प्रति क्विंटल।

इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500 कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

एपल पर पहले मुकदमा दायर, अब शेयर बाजार में तगड़ा झटका; एक ही दिन में गंवाए 113 अरब डॉलर

वॉशिंगटन। आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले एपल पर उपभोक्ताओं और छोटी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा और अब शेयर बाजार में बड़ा झटका लगा है। **एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू** दरअसल, अमेरिकी सरकार ने एपल पर एंटीट्रस्ट कानूनों का उल्लंघन करने का मुकदमा दायर किया है। अमेरिकी न्याय विभाग और 16 स्टेट अटॉर्नी जनरल ने गुरुवार को एपल के खिलाफ एक एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू किया है। वहीं, यूरोप में कंपनी को इस बारे में जांच का सामना करना पड़ रहा है कि क्या वह क्षेत्र के डिजिटल बाजार अधिनियम का अनुपालन कर रही है। **शेयर बाजार में एपल को झटका**- भारत में पिछले एक दशक में मोबाइल का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर हो गया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अब गुरुवार को एपल कंपनी के शेयर 4.1 फीसदी फिसल गए। इससे एक ही दिन में कंपनी के बाजार मूल्य में करीब 113 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

पुलिस ने निकाली जागरूकता बाइक रैली एसपी कार्यालय से हुआ शुभारंभ

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस विभाग और जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर पुलिस विभाग की जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में शहर सीमा के सभी थाना क्षेत्रों के थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी शामिल हुए। जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने अपराधों पर अंकुश लगाने और निष्पक्ष मतदान के लिए लोगो मे जागरूकता के उद्देश्य से इस बाइक रैली का आयोजन किया गया । यह रैली एसपी कार्यालय से प्रारंभ होकर कुठला थाने तक निकाली गई।

शहडोल में फिल्म बंटी - बबली की तरह ठगने वालो को करा गिरफ्तार

एक साथी महिला फरार, तलाश जारी

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ

शहडोल। जिले में एक वारदात जिसमें फिल्म बंटी बबली के तर्ज़ पर लोगों को ठगने के हर दिन नई तरकीब निकालना पैसा कमाना डाकू हसीना को महंगा पड़ गया, इनके गोरखधंधा का भंडाफोड़ होने के बाद हसीना मुंह छिपाती नज़र आ रही है।

दरअसल धनपुरी थाना क्षेत्र बंगवार निवासी 56 वर्षीय रामकुमार परते ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि गीता तिवारी नामक महिला ने पहले अवैध संबंध बनाने का नाटक किया। इस दौरान उसका साथी अभिषेक सिंह व एक अन्य महिला मौके पर पहुंची और उनकी अश्लील वीडियो बनाने लगे। फिर बाद तीनों मिलाकर अश्लील वीडियो वायरल करने के नाम पर डेढ़ लाख रुपए की मांग करने लगे।

हम आपको बता दें कि यह शातिर महिला अपने एक महिला और पुरुष साथी के साथ मिलकर पहले तो नव युवकों एवं अधेड़ उम्र के लोगों को अपने रचे चक्रव्यूह में फंसाकर

चुपके-चुपके उनकी अश्लील वीडियो बनाती। फिर उनसे लाखों रुपए ऐंठने का काम करती। शहडोल की धनपुरी पुलिस ने शिकायत के बाद शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया। वहीं मामले में संलिप्त एक और महिला फरार है। पकड़ी गई शातिर महिला अपने जाल में फंसा के शख्स से पैसे मांगने के दौरान किडनैपिंग की बात भी सामने आई है। पूरा मामला महानगरों की तरह इस अंचल में फिल्म बंटी बबली की तर्ज़ पर देखा जा रहा है।

बहरहाल इस पूरे मामले की मास्टरमाइंड शातिर महिला गीता तिवारी नामक जिसके विरुद्ध पूर्व में लूट करने व गांजा बेचने का मामला कायम है। उसे व उसका साथी अभिषेक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि उनकी एक साथी महिला फरार है। जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

अजय प्रताप सिंह ने छोड़ी भाजपा गोंगपा में हुए शामिल

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लगातार देश भर से जहां भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने कांग्रेस सहित अन्य दलों के लोगों का मजमा लगा हुआ है और भारतीय जनता पार्टी भी इस भीड़ का वेलकम बाकायदा अन्य पार्टियों के नाराज़ लोगों को मंच देकर विपक्षी दलों की मिट्टी पलीद करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है लेकिन मध्यप्रदेश ही नहीं समूचे देश पर चल रही उधेड़बुन पर नजरें दौड़ाई जाए तो देखने को मिलेगा विंध्य क्षेत्र में एकलौता ऐसा मामला सामने आया है जिसमें भारतीय जनता पार्टी की रीति नीति से आहात एवं टिकट बंटवारे को लेकर नाराज़ भाजपा के कद्दावर नेता राज्यसभा सांसद अजय प्रताप सिंह ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है, इससे पहले भाजपा मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने भाजपा को गुडबाय बोल दिया था, आज वर्तमान समय में जब सर पर लोकसभा चुनाव होने हैं नाराज़ अजय प्रताप सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर त्यागपत्र की कापी डालीं है, इसके पीछे के मायने राजनीतिज्ञ खंगालने में जुटे हैं देखा जाए तो अब विपक्षी दलों कै लोग हमलावर की स्थिति में आ गए हैं, और कहा जाने लगा है कि एक ओर जहां ईडी सीबीआई और छापेमारी की देश भर में दहशत है लोग तीतर-बीतर हो रहे हैं, लोगों का कहना है कि जिस किसी भी दागदार भाजपा का दामन थामा उसके सारे दाग धुल जाते हैं।? लेकिन ऐसे में जब अन्य राजनीतिक दलों से जुड़े हुए पदाधिकारियों की फौज भाजपा में शामिल होने को लेकर एड़ी चोटी का जोर लगा रही है तो इसके विपरित विंध्याचल का प्रदेश और राष्ट्रीय

प्रतिनिधित्व करने वाले अजय प्रताप सिंह का विश्व के सबसे ताकतवर राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी से मोहभंग हुआ और इस्तीफा दें दिया है और उन्होंने पूरी जिम्मेदारी से भाजपा को अलविदा कह दिया है। खबर यह भी है कि इस्तीफे की पेशकश के बाद अजय प्रताप सिंह ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है और सीधी संसदीय क्षेत्र के चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले में आर-पार की स्थिति में देखने को मिल सकता है।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि डॉक्टर राजेश मिश्रा भाजपा की टिकट पर भले ही लोकसभा चुनाव में अबकी बार 400 पार का नारा गुनगुना रहे हैं इसके विपरित सीधी संसदीय क्षेत्र में चल रही उलट बयार की खबर है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस की टिकट पर बदस्तूर काबिज कमलेश्वर पटेल खुलें तौर पर भाजपा के भीतरघात में मिलने वाले वॉक? ओवर की बात से शेखचिल्ली वाली कहानी को चरितार्थ करने में जुटे हैं। कमलेश्वर पटेल की राजनीतिक जमीन तलाशी जाएं इंद्रजीत पटेल के नाम और उनके व्यक्तित्व अपने आप वोटिंग पर्सेंटेज को इंप्रूव करता है वहीं यद्यपि धरातल पर कमलेश्वर पटेल के लोकसभा चुनाव में प्रचार की नब्ज़ टटोली जाएं तो हालही में कांग्रेस पार्टी के शहडोल जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता का ब्यौहारी दौरे के बाद से ही कांग्रेसी नेताओं का मौह भंग हो गया और यहां भी इस्तीफे की झड़ी लगी है वोभी ऐसे समय में जब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का इलेक्ट्रोल बांड की खबर बुद्धिजीवियों के होश उड़ा दी है, लेकिन कांग्रेस इस इलेक्ट्रोल बांड को भी भंजाने में फेल है, वहीं देखने वाली बात है कि आदिवासियों के सर्वांगीण विकास की बात करने वाली कांग्रेस और राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे की अध्यक्षता वाली कांग्रेस पार्टी करती है और उसके जिलाध्यक्ष पर ही आदिवासियों की भूमि हड़पने, मुर्दे को वेंटिलेटर पर रखकर पैसे वसूलने वाली अस्पताल चलाने और संरक्षण प्रदान किया जाने इत्यादि जैसे गंभीर आरोप है, अब अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीधी लोकसभा क्षेत्र में आदिवासियों की हित की बात दागदार मंच से कैसे करेंगे। ऐसा ना हो कि दागी नेताओं के चक्कर में कमलेश्वर पटेल की जीत क सेहरा उनके मंसूबे पर पानी फेर सकता है।

पन्ना के जनपद पंचायत गुन्नौरम में अब दुकानों के नाम पर हो रहा भ्रष्टाचार

प्रस्तावित हुआ था तीन दुकानों निर्माण, भ्रष्टाचार में लिप्त जिम्मेददारों ने बना दी अवैध रूप से पांच दुकान

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ

पन्ना, भले ही प्रशासन भ्रष्टाचार खत्म करने के लाख प्रयास कर रही हो लेकिन भ्रष्टाचार की चाशनी में डूब चुके भ्रष्टाचारियों पर लगाम अब भी नही लग पा रही है।वो किसी न किसी तरीके से भ्रष्टाचार करने का रास्ता निकाल ही लेते हैं ताजा मामला जनपद पंचायत गुन्नौर से निकलकर सामने आया है, जहाँ पर तीन दुकानों निर्माण 5 वे वित्त से तीन लाख 60 हजार की लागत राशि से होना स्वीकृत हुआ था,दुकानों का निर्माण तो शुरू तो हुआ लेकिन दुकान निर्माण में भ्रष्टाचार इस कदर हावी हुआ3 दुकानों की जगह पर ही 5अवैध दुकानों का निर्माण करवा दिया गया, निर्माण में न कोई नाप,न कोई मूल्यांकन न कोई गुणवत्ता बल्कि अवैध रूप से 5 दुकाने बना डाली। दुकानों के निर्माण में इस कदर भ्रष्टाचार हावी हुआ कि निर्माण से लेकर आवंटन की प्रक्रिया के लिये भी न कोई विज्ञापन न कोई सूचना सार्वजनिक रूप से जारी करवाई गई,दुकानों के निर्माण व आवंटन के नाम पर दलालों से सांठ गांठ कर लाखों रुपये का भ्रष्टाचार कर लीपापोती कर डाला गया।जबकि आज तक दुकानों के निर्माण का न तो कोई मूल्यांकन हुआ और न ही कोई कार्य का पूर्णता प्रदान की गई है।लेकिन जिम्मेददारों की मिली भगत से दलालों के माध्यम से दुकानों के निर्माण से आवंटन की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार जरूर जमकर किया गया।

इस सम्बंध में दुकानदारों का कहना है कि हम वर्षों से इस

जगह से दुकान संचालन कर रहे हैं दुकाने शासन की है तो आवंटन में पारदर्शिता से कार्य। होना चाहिए। वही जनपद पंचायत गुन्नौर के लिपिक हीरा सिंह और जनपद गुन्नौर के निर्माण समिति के अध्यक्ष रामशिरोमणि मिश्रा द्वारा पूरे मामले में गोल मोल जबाव देते नजर आए, तो वही जनपद गुन्नौर के सी ई ओ अशोक चतुर्वेदी से बात की गई तो पूर्व का मामले कि बात कहकर पूरे मामले से पल्ला झाड़ते नज़र आये।

वैसे भी गुन्नौर जनपद के जिम्मेदार द्वारा तीन पांच करके भ्रष्टाचार करने में माहिर हो चुके हैं, दुकानों के निर्माण में दलालों के माध्यम से अवैध वासूली के आरोप लगाए जा रहे हैं, इतना ही नही मामला उजागर होते देख दुकानदारों के पैसे भी लौटा दिए गए हैं, अब देखना होगा कि दुकानों में हुए भ्रष्टाचार के मामले में कोई कार्यवाही होती है या फिर इस भ्रष्टाचार के मामले को जिम्मेददारों द्वारा रफा दफा कर दिया जाएगा।

इंदौर फैमिली कोर्ट ने कहा- शादीशुदा होने की निशानी है सिंदूर, पत्नी का नहीं लगाना क्रूरता

इंदौर। सिंदूर शादीशुदा होने की निशानी है। इससे यह मालूम पड़ता है कि महिला विवाहित है। पत्नी का सिंदूर नहीं लगाना एक प्रकार से क्रूरता है। इस टिप्पणी के साथ इंदौर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने पति के पक्ष में फैसला सुनाते हुए पत्नी को आदेश दिया कि वह तत्काल पति के पास लौटे।11 पेज के फैसले में न्यायालय ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के एक आदेश का हवाला भी दिया। कोर्ट ने माना कि पति ने पत्नी का परित्याग नहीं किया बल्कि पत्नी ने अपनी मर्जी से खुद को पति से अलग किया है। उसने बगैर किसी वाजिब कारण के पति का परित्याग किया है। प्रार्थी पवन यादव ने अधिवक्ता शुभम शर्मा के माध्यम से कुटुंब न्यायालय में हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 9 के तहत दांपत्य संबंधों की पुनर्स्थापना के लिए याचिका दायर की थी। याचिका में कहा था कि पत्नी ने पति का पांच वर्ष से बिना किसी वजह से परित्याग कर रखा है। पत्नी ने अपने बयान में पति द्वारा नशा करने, घूंघट करने के लिए परेशान करने, दहेज मांगने जैसे कई आरोप लगाए थे।

पांच वर्ष से अलग रह रही थी पत्नी- एडवोकेट शर्मा ने कोर्ट में तर्क रखे कि पत्नी पांच वर्ष से अलग रह रही है और उसने सिंदूर लगाना भी बंद कर दिया है जबकि वह विवाहित है। उन्होंने बताया कि कोर्ट में बयान देते वक्त भी पत्नी ने सिंदूर नहीं लगाया था। इस बारे में सवाल पूछने पर पत्नी ने यह बात स्वीकार की थी कि चूंकि वह अलग रह रही है इसलिए उसने सिंदूर लगाना बंद कर दिया है। न्यायालय ने शर्मा के तर्कों से सहमत होते हुए पति के पक्ष में आदेश पारित किया और पत्नी को आदेश दिया कि वह पति के पास लौटे।

जाति जनगणना पर आनंद शर्मा ने उठाए सवाल, बोले ना जात पर, न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर कांग्रेस का ही था नारा

नेशनल डेस्क= आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राहुल गांधी जहां भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जाति जनगणना की वकालत करते रहे हैं, वहीं कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य आनंद शर्मा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर जाति जनगणना कराने के लिए पार्टी के आक्रामक अभियान पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शर्मा ने पत्र में लिखा है कि पार्टी कभी भी पहचान की राजनीति में शामिल नहीं हुई और न ही इसका समर्थन किया है। उन्होंने अपने पत्र में इंदिरा गांधी हवाला देते हुए कहा है कि 1980 के लोकसभा चुनावों में उनका नारा था ना जात पर, न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर और सितंबर 1990 में राजीव गांधी ने लोकसभा में एक चर्चा के दौरान भाषण देते हुए कहा था कि अगर हमारे देश में जातिवाद को स्थापित करने के लिए जाति को परिभाषित किया जाता है तो हमें समस्या है... भेदभाव के खिलाफ थे राष्ट्रीय आंदोलन के नेता आनंद शर्मा का कहना है कि गठबंधन में वे दल भी शामिल हैं जिन्होंने लंबे समय से जाति-आधारित राजनीति की है। हालांकि, सामाजिक न्याय पर कांग्रेस की नीति भारतीय समाज की जटिलताओं की परिपक्व और समझ पर आधारित है। राष्ट्रीय आंदोलन के नेता उन लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से भेदभाव का सामना किया था। जैसा कि संविधान में निहित है कि सकारात्मक कार्रवाई अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का प्रावधान करती है। यह भारतीय संविधान निर्माताओं के सामूहिक ज्ञान को दर्शाता है। दशकों बाद ओ.बी.सी. को एक विशेष श्रेणी के रूप में शामिल किया गया और तदनुसार आरक्षण का लाभ दिया गया। जाति जनगणना बेरोजगारी का हल नहीं शर्मा ने कहा कि जाति जनगणना न तो रामबाण हो सकती है और न ही बेरोजगारी और मौजूदा असमानताओं का समाधान हो सकती है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि विभाजनकारी एजेंडा, लैंगिक न्याय के मुद्दे, बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और बढ़ती असमानता कांग्रेस, उसके गठबंधन सहयोगियों और प्रगतिशील ताकतों की साझा चिंताएं हैं। उन्होंने कहा है कि भले ही जाति भारतीय समाज की एक वास्तविकता है, लेकिन कांग्रेस कभी भी पहचान की राजनीति में शामिल नहीं हुई है और न ही इसका समर्थन करती है। क्षेत्र, धर्म, जाति और जातीयता की समृद्ध विविधता वाले समाज में यह लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रतिनिधि रूप में कांग्रेस ने समावेशी दृष्टिकोण में विश्वास किया है, जो गरीबों और वंचितों के लिए समानता और सामाजिक न्याय के लिए नीतियां बनाने में भेदभाव रहित है। शर्मा ने पत्र में लिखा कि मेरी विनम्र राय में इसे इंदिरा जी और राजीव जी की विरासत का अपमान माना जाएगा।

जनगणना में एस.सी. और एस.टी का ही प्रावधान

उनके अनुसार कांग्रेस गरीबों और वंचितों के हितों के प्रति संवेदनशील रही है और उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यू.पी.ए. सरकार ने मनरेगा और खाद्य सुरक्षा के अधिकार के साथ परिवर्तन लाया जिससे राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा का निर्माण हुआ। यू.पी.ए. द्वारा 14 करोड़ लोगों को गरीबी के जाल से बाहर लाना एक गौरवपूर्ण उपलब्धि थी। आनंद शर्मा ने कहा कि सकारात्मक कार्रवाई के लिए सामाजिक और आर्थिक पिछड़ापन हमेशा से एकमात्र मार्गदर्शक मानदंड रहा है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि जातिगत भेदभाव की गणना करने के लिए आखिरी जनगणना 1931 में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान हुई थी। स्वतंत्रता के बाद सरकार द्वारा एक सचेत नीतिगत निर्णय लिया गया कि जनगणना में एस.सी. और एस.टी. को छोड़कर जाति-संबंधित प्रश्नों को शामिल नहीं किया जाएगा, जो राज्यों द्वारा एकत्र किए जाते हैं।

श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार, नौकाएं की जब्त

नेशनल डेस्क = श्रीलंकाई नौसेना ने अपनी समुद्री सीमा में घुसपैठ और गैरकानूनी तरीके से मछली पकड़ने की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दो अलग घटनाओं में गुरुवार को 32 और भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया और मछली पकड़ने वाली पांच मशीनीकृत नौकाएं जब्त कर ली। तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने प्रारंभिक रिपोटरं के हवाले से बताया कि गिरफ्तार मछुआरे रामनाथपुरम जिले के रामेश्वरम के रहने वाले हैं। रामेश्वरम से बुधवार सुबह 2000 से अधिक मछुआरे नियमित रूप से मछली पकड़ने के लिए निकले थे। उनमें से तीन नौकाओं पर सवार 25 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे कथित तौर पर डेल्फ्ट द्वीप के पास मछली पकड़ रहे थे। उन्हें आगे की कानूनी कारर्वाई के लिए मन्नार ले जाया गया है। एक अन्य घटना में, पाक जलडमरूमध्य में मछली पकड़ने के आरोप में सात मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। कथित तौर पर दो नौकाओं पर सवार मछुआरों को कानूनी कारर्वाई के लिए कांकेसंतुरई बंदरगाह ले जाया गया। आशंका है कि श्रीलंकाई नौसेना ने इस वर्ष अब तक 178 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और कुल 23 भारतीय नौकाएं जब्त की हैं। इस बीच, रामेश्वरम में विभिन्न मछुआरा संघों के नेताओं ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा निर्दोष मछुआरों की लगातार गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से इस गंभीर मुद्दे में हस्तक्षेप करने और मछली पकड़ने के मुद्दे का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो मछुआरे आगामी लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह हमले की चीन ने की निंदा

बीजिंग= चीन ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह पर बलोच उग्रवादियों के हमले की निंदा की और कहा कि बीजिंग आतंकवाद से लड़ने और राष्ट्रीय सुरक्षा के इस्लामाबाद के प्रयासों का दृढ़ता से समर्थन करता है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत स्थित ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर में बुधवार को घुसने की कोशिश कर रहे आठ बलोच उग्रवादियों को ढेर कर दिया गया। पाक फौज ने यह जानकारी देते हुए बृहस्पतिवार को बताया कि अभियान में सेना के दो जवानों की भी मौत हुई है। बंदरगाह परिसर में कई सरकारी और अर्धसैनिक बल के कार्यालय हैं और रणनीतिक रूप से अहम जगह पर स्थित ग्वादर बंदरगाह अरबों डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (ट्टक्कष्ट) परियोजना का हिस्सा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''हमने खबरें देखीं और हम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हैं और हमले में पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने पर शोक प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा, ''चीन आतंकवाद के सभी तरीकों के खिलाफ है और पाकिस्तान में राष्ट्रीय विकास तथा सामाजिक स्थिरता का पुरजोर समर्थन करता है।

डी.एम.के. का घोषणापत्र में वादा, सत्ता में आए तो राज्यपाल की शक्तियां करेंगे कम

नेशनल डेस्क= भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि लोकसभा चुनाव में किसी राजनीतिक दल ने अपने घोषणापत्र में राज्यपाल की शक्तियों को कम करने का वादा किया गया है। दरअसल यहां बात कर रहे हैं। तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डी.एम.के.) की, जिसने राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच टकराव के कारण अपने घोषणापत्र में जनता से राज्यपाल की ताकत को कम करने का वादा किया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करने के बाद कहा कि डी.एम.के. पार्टी चुनाव से पहले घोषणापत्र तैयार करती है और हम अपने वादों पर खरा उतरते हैं।

राज्यपालों पर लगते रहे हैं आरोप

देश में गैर भाजपाई सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव आम हो चला है। पंजाब, पश्चिम बंगाल और केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में यह आरोप लगते रहे हैं कि राज्यपाल भाजपा के नुमाइंदों के तौर पर कार्य करते रहे हैं। इसी टीस के चलते तमिलनाडु की सत्ताधारी डी.एम.के. ने अपना चुनावी घोषणापत्र में पार्टी के जीतने पर राज्यपाल की नियुक्ति में मुख्यमंत्री की भूमिका सुनिश्चित करने और राज्यपाल की ताकत कम करने को लेकर वादा किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के इतिहास में ये अभूतपूर्व है कि किसी पार्टी ने अपने घोषणापत्र में राज्यपाल की ताकत कम करने के जुड़ा वादा किया है। अखबार लिखता है कि ये संघीय ढांचे के बिगड़ते जाने का संकेत है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है राज्यपाल के साथ विवाद

माना जा रहा है कि राज्यपाल आर.एन. रवि के साथ बार-बार विवाद होने के कारण पार्टी ने अपने घोषणापत्र में इस वादों को जगह दी है। दोनों के बीच का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। पार्टी का आरोप है कि राज्यपाल भाजपा के नुमाइंदे के तौर पर काम कर रहे हैं। हालांकि डी.एम.के. के अलावा गैर भाजपा शासित प्रदेशों की सरकारें भी राज्यपाल पर इसी तरह के आरोप लगाती रही हैं। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में ये भी कहा है कि जीतने पर वे आपराधिक मामले से राज्यपाल का बचाव करने वाले संविधान की धारा 361 में संशोधन करेगी। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, नागरिकता संशोधन कानून और एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को भी खारिज करेगी।

भारत सरकार से सही दिशा में कदम उठाने का अनुरोध करे कांग्रेस : अमेरिकी सांसद

इंटरनेशनल डेस्क= अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिकी संसद को भारत सरकार से आतंकवाद रोधी कानूनों समेत उन नीतियों तथा कानूनों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करना चाहिए जो प्रमुख मानवाधिकार संधियों की अभिपुष्टि के चलते प्राप्त उसके दायित्वों से ''भिन्न हैं। कांग्रेस सदस्य जेम्स मैकगवर्न ने भारत में मानवाधिकारों पर संसद में सुनवाई के दौरान कहा कि भारत में अगले पांच साल के लिए देश की राजनीतिक दिशा तय करने के वास्ते 19 अप्रैल को आम चुनाव शुरू हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरा कार्यकाल हासिल की कोशिश में हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उन लोगों में से हूं जो सोचते हैं कि मित्रों को एक-दूसरे को कड़वी सच्चाई बतानी चाहिए। भारत एक मित्र है और अमेरिका के लिए यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि भारत समृद्ध हो। फिर भी एक वास्तविक खतरा है कि अगर मानवाधिकार हनन पर ध्यान नहीं दिया गया तो विविध समाजों में निहित तनाव खतरनाक संघर्ष में बदल सकता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य को कमजोर कर सकता है। मैकगवर्न ने कहा, ''मणिपुर राज्य में जातीय हिंदू और ईसाई समुदायों के बीच हाल की साम्प्रदायिक हिंसा महज एक उदाहरण है। कांग्रेस को भारत सरकार से सही दिशा में कदम उठाने और आतंकवाद रोधी कानूनों समेत उन नीतियों तथा कानूनों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करना चाहिए जो प्रमुख मानवाधिकार संधियों की अभिपुष्टि के चलते प्राप्त उसके दायित्वों से ''भिन्न हैं। 'अमेरिकन बार एसोसिएशन सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स के कानूनी सलाहकार वारिस हुसैन ने बताया कि कांग्रेस को इन चिंताओं के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति को सीधे प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उन पर और अधिक मजबूती से दबाव बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ही हैं जिनके पास अपनी सरकार, पार्टी को उनकी 'जहरीली बयानबाजी तथा उनके अपमानजनक कानूनों और नीतियों के बारे में निर्देश देने की शक्ति है।

इजरायली सेना को मिली बड़ी कामयाबी, शिफा अस्पताल में छिपे 50 हमास आतंकवादियों को मार गिराया

तेल अवीव= इजराइल रक्षा बलों ने गुरुवार सुबह कहा कि शिफ़ा अस्पताल परिसर से हमास आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए इज़राइली ऑपरेशन जारी है, जिसमें सैनिकों ने पिछले 24 घंटों में 50 आतंकवादियों को मार गिराया है। सोमवार सुबह से इजरायली बलों ने परिसर के अंदर 140 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। अतिरिक्त 160 आतंकवादी संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और आगे की पूछताछ के लिए इज़राइल स्थानांतरित कर दिया गया है। सैनिकों ने अस्पताल के अंदर पाए गए हथियारों को भी जब्त कर लिया है। आईडीएफ ने कहा कि नागरिकों और कर्मचारियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, न ही कोई चिकित्सा उपकरण क्षतिग्रस्त हुआ है। यह खुफिया जानकारी मिलने के बाद कि हमास के वरिष्ठ लोग परिसर के अंदर हमले की योजना बना रहे हैं। इजरायली सेना ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल शिफा पर छापा मारा। सेना के पहुंचते ही हमास के आतंकवादियों ने चिकित्सा केंद्र के भीतर से गोलीबारी की।

सुपौल में कोसी नदी पर बन रहे पुल का गिरा स्लैब, एक की मौत, 40 से अधिक मजदूर दबे

सुपौल: बिहार के सुपौल जिले में कोसी नदी पर बन रहे बकौर पुल का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई जबकि 40 से अधिक लोगों के दबे होने की आशंका है। खबर को अपडेट किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भेजा-बकौर के बीच मरीचा के पास एक निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिर गया। तीन पिलर के गार्टर गिरने से ये बड़ा हादसा हुआ है। इस स्लैब के नीचे गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। साथ ही 40 से अधिक लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। बता दें कि यह देश का सबसे बड़ा निर्माणाधीन पुल है। 984 करोड़ की लागत से 10.2 किलोमीटर लंबा पुल बन रहा था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आत्मघाती हमले में दो लोगों की मौत, 22 घायल

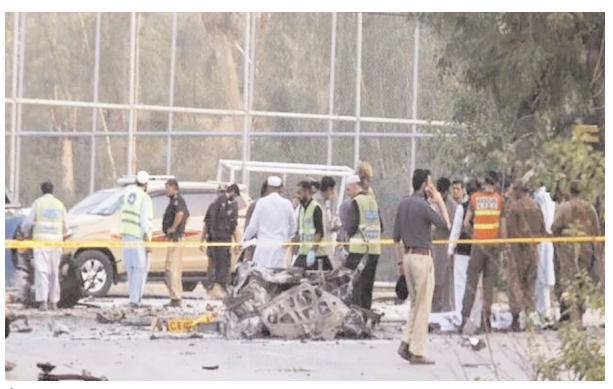

इंटरनेशनल डेस्क = पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में बृहस्तपतिवार को एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक लदे वाहन से सुरक्षा बलों के काफिले में शामिल गाड़ियों को टक्कर मार दी, जिससे कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में उस समय हुई जब सुरक्षा बलों का काफिला जिले के एक हिस्से से दूसरे हिस्से की ओर जा रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''आत्मघाती हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हैं। जान गंवाने वाले दो व्यक्तियों को सुरक्षा बल का जवान माना जा रहा है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बल और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गये और टैंक-इस्माइल खान मार्ग को सभी तरह के वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया। बम निरोधक दस्ते के एक अधिकारी ने बताया, ''हम आत्मघाती हमले में इस्तेमाल किए गए विस्फोटकों की मात्रा का पता लगा रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत पाकिस्तान का बेहद अशांत क्षेत्र है और यहां अक्सर सुरक्षा बलों पर हमले होते रहते हैं। पिछले हफ्ते, एक हथियारबंद समूह ने अफगानिस्तान की सीमा के पास पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में एक सैन्य चौकी पर हमला किया था जिसमें सुरक्षा बल के सात कर्मियों की जान चली गई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569